# सांध्य दैनिक 4PM

जिद...सच की

www.4pm.co.in www.facebook.com/4pmnewsnetwork @Editor_Sanjay YouTube @4pm NEWS NETWORK

● वर्ष: 9 ● अंक: 71 ● पृष्ठ: 8 ● लखनऊ, शनिवार, 15 अप्रैल, 2023

मूल्य ₹ 3/-

जो कौम अपना इतिहास तक नहीं जानती है, वे कौम कभी अपना इतिहास भी नहीं बना सकती है।
-बाबा साहेब आंबेडकर

पुलवामा हमला गृह मंत्रालय की बड़ी ... 8

पायलट की उड़ान, आलाकमान... 3

सरकारी एजेंसियों का गलत... 7


## प्रेस कांफ्रेंस में पीएम मोदी को संबोधित कर बोले दिल्ली के सीएम केजरीवाल

# अगर मैं बेईमान, तो कोई नहीं ईमानदार

» आम आदमी पार्टी को किया जा रहा टारगेट

» झूठे सबूत पेश कर कोर्ट को गुमराह कर रहे ईडी-सीबीआई

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। दिल्ली में कथित शराब घोटाले की आग लगातार फैलती जा रही है। अब इस आग की लपटें दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल तक भी पहुंच चुकी हैं। सीबीआई का नोटिस मिलने के बाद आज केजरीवाल ने प्रेस कांफ्रेंस कर मोदी सरकार और सीबीआई व ईडी पर जमकर हमला बोला। मुख्यमंत्री केजरीवाल ने कहा कि भाजपा शराब घोटाला कह रही है। सारा काम छोड़कर सारी एजेंसी इसकी जांच में जुटी हैं, लेकिन जांच में क्या मिला? इन लोगों ने हमारे सरकार के दो मंत्रियों को गिरफ्तार कर लिया। उनका सोचना था कि नंबर दो (मनीष सिसोदिया) और तीन (सत्येंद्र जैन) को गिरफ्तार कर लो, ताकि वो मेरा गला पकड़ सकें। ये जबरन फंसाने की साजिश है। केजरीवाल ने साफ कहा कि अगर मैं बेईमान हूं तो दुनिया में कोई ईमानदार नहीं है।

सीबीआई और ईडी पर हमला बोलते हुए केजरीवाल ने कहा कि सीबीआई और ईडी ने मनीष सिसोदिया पर आरोप लगाया कि उन्होंने सबूत छुपाने के लिए 14 फोन तोड़ दिए। अब ईडी बोल रही है कि उसके पास 4 फोन हैं, जबकि सीबीआई ने भी कहा है कि उनके पास 1 फोन है। यानी दोनों एजेंसियों के पास 5 फोन हैं। जांच एजेंसियों ने कोर्ट में झूठ बोला है। उन्होंने कोर्ट को गुमराह कर मनीष सिसोदिया की बेल रोकी है। केजरीवाल ने कहा कि कोई चंदन रेड्डी हैं। उन्हें इन लोगों ने इतना मारा कि इन्हें सुनाई नहीं दे रहा है। उनके कान के पर्दे फट गए। सीबीआई और ईडी उनसे क्या उगलवाना चाहती है। उसे थर्ड डिग्री क्यों दिया जा रहा। अरुण रेड्डी, समीर महेन्द्रू और न जाने और कितने लोग हैं, जिन्हें टॉर्चर कर बयान लिखवाए जा रहे हैं। ये लोग टॉर्चर करके झूठ बुलवाने की कोशिश कर रहे हैं, ताकि हमें फंसाया जा सके। केजरीवाल ने कहा कि मैं मोदी से पूछना चाहता हूं कि ये चल क्या रहा है?

### 400 छापों के बाद भी अब तक कुछ नहीं मिला

सवाल उठाते हुए दिल्ली के सीएम ने कहा कि इतनी रेड हो चुकी हैं, लेकिन जांच एजेंसी को मिला कुछ भी नहीं है। अगर मिला है तो वो पैसे हैं कहां। उन्होंने कहा कि मैं मोदी जी को कहना चाहता हूं कि अगर केजरीवाल भ्रष्टाचारी है, तो दुनिया में कोई ईमानदार नहीं है। जिस तरह से आम आदमी पार्टी को टारगेट किया गया, उस तरह किसी भी पार्टी को टारगेट नहीं किया गया। केजरीवाल ने कहा कि 400 से ज्यादा छापे मारे गए, लेकिन कुछ नहीं मिला। ये सिर्फ आरोप लगाते हैं। शराब नीति शानदार नीति थी, जो हमने दिल्ली में लागू की थी।

इससे पहले अरविंद केजरीवाल ने ट्वीट कर ये बताया था कि दिल्ली सरकार सीबीआई और ईडी के खिलाफ अदालत में केस दायर करेगी। सीबीआई और ईडी के खिलाफ कोर्ट में गलत साक्ष्य और झूठे सबूत पेश करने का केस करेंगे।

बता दें कि सीबीआई ने केजरीवाल को शराब घोटाले मामले में 16 अप्रैल यानी कल पूछताछ के लिए बुलाया है। अब पूछताछ के बाद आगे क्या होगा ये तो कल ही पता चलेगा। क्या सीबीआई केजरीवाल को भी गिरफ्तार करेगी या सिर्फ पूछताछ करके जाने देगी, ये तो कल ही पता चलेगा।

# सुपुर्द-ए-खाक हुआ असद, अतीक और शाइस्ता नहीं कर सके बेटे का आखिरी दीदार

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

प्रयागराज। एनकाउंटर में मारा गया माफिया अतीक अहमद का बेटा असद का आज प्रयागराज में अंतिम संस्कार कर दिया गया। इसके साथ ही असद आज सुपुर्द-ए-खाक हो गया। असद के साथ ही शूटर गुलाम को भी सुपुर्द-ए-खाक किया गया। दोनों की मिट्टी कसारी-मसारी कब्रिस्तान में की गई। अंतिम संस्कार में सिर्फ 25 से 30 लोग शामिल हुए। ऐसी आशंका जताई जा रही थी कि असद की मां और अतीक की पत्नी शाइस्ता परवीन अपने बेटे को अंतिम बार देखने के लिए पुलिस को सरेंडर कर कब्रिस्तान पहुंचेगी, लेकिन ऐसा नहीं हुआ। अंतिम संस्कार के वक्त असद की बुआ समेत परिवार के कुछ अन्य लगो मौजूद रहे।

**पुलिस की कड़ी सुरक्षा के बीच हुआ अंतिम संस्कार, शूटर गुलाम भी गया दफनाया**

इस दौरान पुलिस की कड़ी सुरक्षा व्यवस्था थी और मीडिया को भी अंदर आने की इजाजत नहीं दी गई थी। असद के अंतिम संस्कार के बाद अतीक अहमद के वकील विजय मिश्रा ने कहा कि कोर्ट के समय के पहले सुपुर्द-ए-ख़ाक कर दिया गया इसलिए कोर्ट में अर्जी नहीं लग सकी। हमारी मांग थी कि अतीक अहमद को असद के जनाजे में शामिल किया जाए। शासन प्रशासन ने अंतिम प्रक्रिया कराने में सहयोग किया और किसी को एतराज नहीं है।

गौरतलब है कि एनकाउंटर में मारे गए असद और गुलाम के शव को झांसी से प्रयागराज लाया गया था। दोनों के शव को लेने उनके परिजन शुक्रवार की शाम झांसी पहुंचे थे। असद का शव लेने उसके फूफा उस्मान पहुंचे, जबकि गुलाम का शव लेने उसका साला नूर आलम पहुंचा था। असद के शव को घर नहीं ले जाया गया। उसके शव को सीधे कब्रिस्तान ले जाया गया।

### सपा ने यूपी के टॉप अपराधियों की सूची जारी कर सरकार से किया सवाल

# इन पर क्यों नहीं होती कार्रवाई क्या योगी जी के खासमखास हैं

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। समाजवादी पार्टी ने ट्विटर पर अपराधियों की एक सूची जारी की और जानना चाहा कि क्या वे उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के 'खासमखास' हैं और इसलिए वे जीवित हैं और अपने गिरोह चला रहे हैं। समाजवादी पार्टी के मीडिया सेल ने गैंगस्टर-नेता अतीक अहमद के बेटे और उमेश पाल हत्याकांड में वांछित असद और उसके साथी गुलाम की झांसी में पुलिस मुठभेड़ में मौत के एक दिन बाद यह सूची जारी की है। सपा के मीडिया प्रकोष्ठ (हैंडल) ने एक ट्वीट में अपराधियों की सूची का जिक्र करते हुए कहा, ''ये सब क्या योगी जी के खासमखास हैं?

दरअसल ये सब योगी जी के स्वजातीय हैं। इसीलिए अभी तक बचे भी हुए हैं। अपराध भी कर रहे हैं और गिरोह भी चला रहें। हत्या, बलात्कार, लूट, डकैती, वसूली, रंगदारी सब कर रहे हैं।'

ट्वीट में एक 'नोट' जोड़ते हुए समाजवादी पार्टी के मीडिया प्रकोष्ठ ने कहा है, 'नोट- लिस्ट पुरानी है, लेकिन इसमें ज्यादातर अपराधी भाजपा समर्थित हैं और सक्रिय हैं।' सूची में विभिन्न नेताओं के नाम और उनके खिलाफ दर्ज मामलों की संख्या भी दी गई है।

गौरतलब है कि 2005 में बहुजन समाज पार्टी (बसपा) के विधायक राजू पाल की हत्या के मामले के मुख्य गवाह उमेश पाल और उसके दो सुरक्षा गार्ड की इस साल 24 फरवरी को प्रयागराज के धूमनगंज इलाके में गोली मारकर हत्या कर दी गई थी। उमेश पाल की पत्नी जया पाल की शिकायत पर 25 फरवरी को अतीक, उसके भाई अशरफ, पत्नी शाइस्ता परवीन, असद सहित दो बेटों, शूटर गुड्डू मुस्लिम व गुलाम तथा नौ अन्य लोगों के खिलाफ मामला दर्ज किया गया था। बता दें कि असद के एनकाउंटर पर अखिलेश यादव सहित मायावती भी सवाल उठा चुकी हैं।

#### इस प्रकार है सूची

कुलदीप सिंह सेंगर (उन्नाव, 28 मामले), बृजेश सिंह (वाराणसी, 106 मामले), धनंजय सिंह (जौनपुर, 46 मामले), राजा भैया (रघुराज प्रताप सिंह) (प्रतापगढ़, 31 मामले), उदयभान सिंह (भदोही, 83 मामले), अशोक चंदेल (हमीरपुर, 37 मामले), विनीत सिंह (चंदौसी, 34 मामले, बृजभूषण सिंह (गोंडा, 84 मामले), चुलबुल सिंह (वाराणसी, 53 मामले), सोनू सिंह (सुल्तानपुर, 57 मामले), मोनू सिंह (सुल्तानपुर, 48 मामले), अजय सिंह सिपाही (मिर्जापुर, 81 मामले), पिंटू सिंह (बस्ती, 23 मामले), सन्नी सिंह (देवरिया, 48 मामले), संग्राम सिंह (बिजनौर, 58 मामले), चुन्नू सिंह (महोबा, 42 मामले) और बादशाह सिंह (महोबा, 88 मामले) शामिल हैं।

# 2025 से पहले गिर जाएगी ममता सरकार : अमित शाह

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

कोलकाता। केंद्रीय गृह मंत्री और भाजपा के कद्दावर नेता अमित शाह ने शुक्रवार को बीरभूम जिले के सिउ?ी में एक जनसभा को संबोधित करते हुए ममता सरकार व तृणमूल कांग्रेस पर करारा हमला बोला। उन्होंने कहा कि वर्ष 2025 से पहले ही ममता बनर्जी सरकार गिर जाएगी। इसके साथ ही उन्होंने दावा किया कि इस बार के लोकसभा चुनाव में राज्य में भाजपा 35 से ज्यादा सीटें जीतेगी।

शाह ने तृणमूल सुप्रीमो ममता बनर्जी पर हमला करते हुए कहा कि वह चाहती हैं कि दीदी बंगाल की जनता के लिए काम नहीं करतीं, उनका लक्ष्य बंगाल की जनता का कल्याण नहीं है, उनका एकमात्र लक्ष्य अपने भतीजे को मुख्यमंत्री बनाना है, लेकिन ऐसा संभव नहीं होगा। बंगाल का अगला मुख्यमंत्री भाजपा का होगा। रामनवमी पर बंगाल में हुई हिंसा को लेकर घेरते हुए शाह ने कहा कि तृणमूल की तुष्टीकरण की राजनीति के कारण रामनवमी की शोभायात्राओं पर हमले की हिम्मत बढ़ी है। उन्होंने लोगों से आह्वान किया कि आप 2024 के चुनाव में भाजपा को 35 सीट जिता दें और राज्य में हमारी सरकार बना दें, रामनवमी के जुलूस पर फिर हमले की किसी में हिम्मत नहीं होगी।

#### बम धमाकों का सेंटर बन चुका है बंगाल

शाह ने बंगाल में खराब कानून व्यवस्था को लेकर घेरते हुए कहा कि दीदी के शासन में बंगाल बम धमाकों का सेंटर बन चुका है। उन्होंने कहा कि अभी-अभी एनआइए ने बीरभूम में 80 हजार से ज्यादा डेटोनेटर और 27 हजार किलो अमोनियम नाइट्रेट जब्त किया है। अगर एनआइए ने इसे ना पकड़ा होता तो कितने लोगों की जान बम धमाकों में जाती, कोई नहीं गिन सकता। सभा से पहले शाह ने सिउड़ी में बाबा साहेब डॉ. भीमराव आंबेडकर की जन्मतिथि पर उनकी मूर्ति पर माल्यार्पण पर श्रद्धांजलि अर्पित की।

# एनकाउंटर को फर्जी बताने पर कौशल किशोर ने अखिलेश से किया सवाल

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। उत्तर प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री और सपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव ने अतीक अहमद के बेटे असद के एनकाउंटर पर सवाल उठाते हुए उसे फर्जी एनकाउंटर बताया था। अब उनके इस बयान पर केंद्रीय राज्य मंत्री कौशल किशोर ने पलटवार करते हुए अखिलेश से सवाल किया कि क्या वह वहीं खड़े थे।

**केंद्रीय राज्य मंत्री ने पूछा- क्या वहां खड़े थे सपा प्रमुख**

सपा-बसपा पर हमला बोलते हुए कौशल किशोर ने कहा कि अतीक सपा व बसपा से सांसद रहे हैं, इसलिए वह विरोध कर रहे हैं। ये लोग अपराधियों को संरक्षण देने का काम करते हैं। उन्होंने कहा कि राजू पाल की हत्या हुई थी तब यह लोग एकबार भी नहीं बोले थे। सीएम योगी की तारीफ करते हुए उन्होंने कहा कि योगी ने यूपी को अपराध मुक्त बनाने का संकल्प लिया है, वह यूपी को अपराध मुक्त बना रहे हैं।

भाजपा कार्यालय में बाबा साहब डॉ. भीमराव आंबेडकर जयंती पर आयोजित समारोह में शामिल हुए केंद्रीय मंत्री से सपा नेता स्वामी प्रसाद मौर्या के 'जयश्रीराम' के नारे को बीजेपी की नौटंकी बताने वाले बयान पर सवाल किया तो केंद्रीय राज्यमंत्री ने कहा कि पांच साल वो यहां पर कैबिनेट मिनिस्टर रहे। क्या वह भी लूट रहे थे। तब जय श्रीराम के नारे वह भी लगा रहे थे । हर भाजपा कार्यकर्ता जय श्री राम, जय अंबेडकर के नारे लगा रहा है।

# सियासी बवाल के बाद दिल्लीवासियों को राहत, जारी रहेगी बिजली सब्सिडी

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। दिल्ली सरकार और उप राज्यपाल के बीच आए दिन तल्खियां देखने को मिलती रहती हैं। बिजली सब्सिडी के मुद्दे पर एक बार फिर दोनों के बीच ऐसा ही कुछ देखने को मिला। हालांकि, सियासी पारा चढ़ने के बाद अब ये मामला ठंडा होता नजर आ रहा है। इससे पहले शनिवार को दिल्ली की ऊर्जा मंत्री आतिशी ने दिल्ली में मुफ्त बिजली नहीं मिलने का दावा कर दिया तो एलजी ने भी पलटवार किया।

मंत्री ने एलजी पर फाइल अपने पास रखने का आरोप लगाया। दोनों पक्षों में आरोप-प्रत्यारोप के बाद आखिरकार शाम ढलने पर दिल्लीवासियों को राहत मिली। एलजी ने सब्सिडी की फाइल को मंजूरी देते हुए ऊर्जा मंत्री को अनावश्यक राजनीति, झूठे आरोपों से बचने और दिल्लीवासियों को गुमराह नहीं करने की सलाह दी है। सब्सिडी मामले में एलजी की हरी झंडी मिलने का श्रेय लेते हुए दिल्ली सरकार ने कहा कि उनके प्रयास से जनता के आक्रोश को देखते हुए यह फैसला लिया गया। दिल्ली सरकार ने बिजली सब्सिडी मामले पर एलजी की मंजूरी पर कहा है कि केजरीवाल सरकार के प्रयास और जनता में फैले आक्रोश के आगे एलजी झुके। केजरीवाल सरकार दिल्ली की जनता को आश्वस्त करना चाहती है कि चाहे कुछ भी क्यों ना करना पड़े दिल्लीवासियों को मिल रही सुविधाओं को रुकने नहीं देंगे। दिल्ली के उपराज्यपाल वीके सक्सेना ने निजी बिजली कंपनियों को 13,549 करोड़ रुपये दिए जाने की ऑडिट से बचने के लिए आम आदमी पार्टी सरकार की तीखी आलोचना की है। यह सब्सिडी 2016 से 2022 के बीच दी गई। एलजी ने आर्थिक तौर पर कमजोर वर्गों के लिए इस मद में राहत पर अपनी प्रतिबद्धता को दोहराया।

### मायावती ने खेला मुस्लिम कार्ड

# लखनऊ से शाहीन बानो को बनाया महापौर का प्रत्याशी

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। यूपी निकाय चुनाव के लिए सभी दलों ने अब अपनी-अपनी रणनीति बनानी शुरू कर दी है। चुनाव में पहले पहले चरण के लिए नामांकन पत्र दाखिल करने में अब बस तीन दिन शेष रह गए हैं। इसको ध्यान में रखते हुए पार्टियों ने प्रत्याशियों पर भी मंथन शुरू कर दिया है। इस बीच बहुजन समाज पार्टी यानी कि बसपा ने अपने उम्मीदवार घोषित करने भी शुरू कर दिए हैं।

बसपा ने लखनऊ में मुस्लिम कार्ड खेलते हुए शाहीन बानो को महापौर पद का प्रत्याशी घोषित कर दिया है। बसपा के लिए यह निकाय चुनाव काफी अहम हैं। इसीलिए बसपा काफी सतर्कता से कदम आगे बढ़ा रही है। शाहीन बानो के अलावा पार्टी ने तीस वार्डों के प्रत्याशियों की सूची भी जारी कर दी है। साथ ही मलिहाबाद, काकोरी, बंथरा, मोहनलाल गंज, बीकेटी नगर पंचायत के लिए अध्यक्ष पद के प्रत्याशी घोषित किए गए हैं। बसपा अन्य निगमों पर भी मंथन कर रही है और जल्द ही प्रत्याशियों की घोषणा कर दी जाएगी। इसके अलावा बसपा ने लखनऊ के 30 वार्डों के उम्मीदवारों की सूची भी जारी कर दी है।

# पायलट की उड़ान, आलाकमान परेशान

## कांग्रेस में नेताओं की भगदड़, चुनाव पर पड़ेगा असर

### » राहुल-प्रियंका पर पार्टी को मजबूती देने की जिम्मेदारी

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

जयपुर। हिमंत बिस्वसरमा, गुलाम नबी आजाद, जितीन प्रसाद, ज्योतिरादित्य सिंधिया, आरपीएन सिंह, कपिल सिब्बल, एसएम कृष्णा, किरन कुमार रेड्डी, अनिल एंटनी बहुत लम्बी फेहरिस्त है जो कांग्रेस छोड़कर किसर अन्य पार्टी में चले गए हैं। अब ताजा बगावती सुर राजस्थान में सचिन पायलट की ओर से सुनाई दे रही हैं। उन्होने अपनी ही सरकार पर वादा खिलाफी का आरोप लगाकर एक दिन का अनशन करके अपनी क्षमता तो दिखाई ही साथ ही आलाकमान को भी चुनौती दे दी। हालांकि शीर्ष नेतृत्व ने फिलहाल अभी उनके मामले को ठंडे बस्ते में डाल दिया है। आगे उनका क्या होगा ये तो समय आने पर पता चलेगा। कांग्रेस में जो भी कुछ आजकल चल रहा है वह इस सबसे पुरानी पार्टी की राजनीतिक सेहत के लिए ठीक नही है।

दरअसल कांग्रेस को जिस तरीके से चलाया जा रहा है उससे खिन्न होकर सिर्फ अनुभवी और वरिष्ठ नेता ही नहीं बल्कि युवा भी पार्टी छोड़ रहे हैं। जो वरिष्ठ नेता और युवा अभी कांग्रेस में बचे हुए हैं वह पार्टी में अपना स्थान सुरक्षित करने के लिए संघर्ष कर रहे हैं। कांग्रेस ने पिछले साल उदयपुर में चिंतन किया, उसके बाद भारत जोड़ो यात्रा निकाली और इस साल रायपुर में महा अधिवेशन किया। इस दौरान कांग्रेस नेताओं ने पार्टी में आमूल चूल सुधार को लेकर बड़ी-बड़ी बातें कहीं, लेकिन नतीजा शून्य रहा। कांग्रेस नेताओं में उत्तर से लेकर दक्षिण तक और पूरब से लेकर पश्चिम तक पार्टी छोड़ने की जो होड़ लगी है वह दर्शा रही है कि आजादी की लड़ाई लड़ने वाली यह पार्टी आजादी के अमृत काल में पतन की ओर बढ़ रही है।

राजस्थान में कांग्रेस ने सचिन पायलट का जो हाल किया है उसको देखकर ज्योतिरादित्य सिंधिया, जितिन प्रसाद और हिमंत बिस्व सरमा आदि नेता शुक्र मना रहे होंगे कि सही समय पर कांग्रेस छोड़ दी वरना उन्हें भी ऐसे ही अनशन पर बैठना पड़ रहा होता। सचिन पायलट जो मुद्दे उठा रहे हैं वह सही हैं या गलत, इसकी विवेचना की बजाय यह देखना चाहिए कि कांग्रेस में कैसे युवाओं का हक मारा जाता है।

पिछले विधानसभा चुनावों के समय सचिन पायलट राजस्थान में प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष थे जबकि अशोक गहलोत कांग्रेस के राष्ट्रीय महासचिव (संगठन) के पद पर काम कर रहे थे। सचिन पायलट ने तत्कालीन वसुंधरा राजे सरकार के खिलाफ जनमत तैयार कर कांग्रेस को जीत दिलाई लेकिन उनका हक मारकर गहलोत को दिल्ली से जयपुर भेजकर मुख्यमंत्री बना दिया गया। सचिन पायलट ने लगातार अपमानित किये जाने के चलते आवाज उठाई तो उन्हें गद्दार और निकम्मा बता दिया गया। उन्हें बार-बार धैर्य रखने के लिए समझाया जाता रहा लेकिन सब्र का बांध एक दिन टूटता ही है। अब राजस्थान में यह जो बाँध टूटा है उससे इस वर्ष होने वाले राजस्थान विधानसभा चुनावों में कांग्रेस बह कर सत्ता से बाहर जा सकती है।

## छत्तीसगढ़ में भी है बवाल

**वैसे बात सिर्फ राजस्थान तक ही सीमित नहीं है, जिस तरह छत्तीसगढ़ में मुख्यमंत्री भूपेश बघेल और कैबिनेट मंत्री टीएस सिंहदेव के बीच जंग छिड़ी हुई है वह भी चुनावी वर्ष में कांग्रेस के लिए बड़ा सिरदर्द साबित हो सकती है। यही नहीं, कर्नाटक में अपने को सत्ता के करीब देख रही कांग्रेस में मुख्यमंत्री पद हासिल करने के लिए पूर्व मुख्यमंत्री सिद्धारमैया और प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष डीके शिवकुमार के बीच की वो जंग भी ऐन चुनावों के समय जगजाहिर हो गयी है जिसे कांग्रेस अब तक दबाती आ रही थी। राहुल गांधी और मल्लिकार्जुन खरगे को समझना होगा कि नेतृत्व की यह शिथिलता कांग्रेस को पूरी तरह ले डूबेगी।**

## पार्टी के लिए एसेट हैं पायलट

कांग्रेस आलाकमान राजस्थान में सीएम नहीं बना सकी। मुखिया का तख्ता पलट नहीं हो सका, इसका दर्द सचिन पायलट के साथ प्रियंका और राहुल गांधी को भी है। शायद यही वो कारण है कि कांग्रेस हाईकमान सचिन पायलट के बगावती तेवरों, प्रेसवार्ता के बयान और अनशन मामले पर जल्दबाजी में कुछ फैसला नहीं करना चाहता है। सचिन पायलट पार्टी में बड़ा युवा चेहरा हैं। हिमाचल में पिछले दिनों कांग्रेस पार्टी को जीत दिलाने में उनकी भूमिका रही है। कांग्रेस के सीनियर नेता उन्हें एसेट मानते हैं। पायलट राहुल गांधी और प्रियंका के अच्छे मित्र भी हैं। दूसरा चुनाव के माहौल के बीच पायलट पर कार्रवाई कांग्रेस के लिए आत्मघाती साबित हो सकती है। राजस्थान ही नहीं कर्नाटक, एमपी, छत्तीसगढ़ और आगामी चुनावों में सभी जगह इसका असर पड़ सकता है।

## सचिन की विदाई कांग्रेस के लिए आत्मघाती होगी

अगर पार्टी ने एक्शन लेकर पायलट की विदाई की, तो पायलट की स्ट्रेटजी कांग्रेस के लिए मुश्किलें खड़ी कर सकती है। सचिन पायलट जैसे दमदार और युवा नेता को साथ लेने के लिए बीजेपी, आम आदमी पार्टी, राष्ट्रीय लोकतांत्रिक पार्टी जैसे दल तैयार हैं। सचिन पायलट गठबंधन के जरिए भी चुनाव में उतर सकते हैं या एक अलग पार्टी खड़ी कर सकते हैं, जिसका सीधा सीधा नुकसान कांग्रेस को ही होगा।

## शीर्ष नेतृत्व की इच्छा केंद्रीय संगठन में काम करें

गहलोत और पायलट की सियासी अदावत काफी पुरानी है। इसी कारण कांग्रेस में कई दौर की बैठकों के बाद भी इस विवाद पर उलझन बनी हुई है। एक वरिष्ठ कांग्रेस नेता ने बताया कि पार्टी आलाकमान पायलट मामले का फैसला करने की जल्दबाजी में नहीं है। पार्टी कोई भी कदम उठाने से पहले फायदे और नुकसान का पूरा आकलन कर रही है। सूत्र बताते हैं राजस्थान के मसले पर वरिष्ठ नेताओं सोनिया, राहुल, प्रियंका से चर्चा के बाद ही कोई कदम उठाया जाएगा। सूत्र बताते हैं कि पार्टी पायलट को केंद्रीय संगठन में बड़ा पद देकर चुनावी माहौल बनाने और कांग्रेस संगठन में काम करने के लिए कह रही है। 2024 लोकसभा चुनाव के मद्देनजर उनकी भूमिका देखी जा रही है। सचिन पायलट पहले भी केंद्रीय राज्य मंत्री यूपीए सरकार के समय रहे हैं।

## सचिन को अभी और मौका : रंधावा

**जयपुर। राजस्थान के पूर्व डिप्टी सीएम सचिन पायलट पर अनुशासनात्मक कार्रवाई फिलहाल ठंडे बस्ते में जाने के आसार हैं, क्योंकि उन पर एक्शन की बात कहने वाले प्रदेश कांग्रेस प्रभारी सुखजिंदर सिंह के सुर बदल गए हैं। आलाकमान और राहुल गांधी से वार्ता के बाद अब रंधावा ने कहा है कि जल्दबाजी में फैसले नहीं होते, बड़े लीडर ही कुछ तय करेंगे। फोन पर मीडिया बातचीत में दिल्ली से रंधावा ने कहा कि पूरे मामले पर अभी विचार चल रहा है। हाईकमान को अभी प्रारंभिक जानकारी दी गई है, लेकिन अभी डिटेल में भी जानकारी दी जाएगी। हमने राहुल गांधी और कांग्रेस अध्यक्ष से चर्चा की है। वरिष्ठ नेताओं से बातचीत करने के बाद ही कोई फैसले**

**होते हैं, जिसमें समय लगेगा। जल्दबाजी में फैसले नहीं किए जाते। दो दिन पहले सचिन पायलट पर एक्शन की बात कहने वाले रंधावा के बदले सुरों के सियासी मायने निकाले जाने शुरू हो गए हैं। रंधावा और वेणुगोपाल ने गुरुवार को दो-तीन बार कांग्रेस राष्ट्रीय अध्यक्ष मलिकार्जुन खरगे से मुलाकात की। प्रभारी महासचिव केसी वेणुगोपाल और सुखजिंदर सिंह रंधावा ने राहुल गांधी से भी मुलाकात की। सूत्रों के मुताबिक राहुल गांधी ने रंधावा और वेणुगोपाल को स्पष्ट रूप से कह दिया है कि एक्शन लेने या नहीं लेने को लेकर मीडिया में कोई बयान जारी नहीं किया जाए। गांधी परिवार से हरी झंडी मिलने के बाद ही इस बारे में कुछ कहा जाए। इसके बाद रंधावा और वेणुगोपाल में से किसी ने मीडिया के सामने कुछ नहीं कहा। राहुल गांधी से मुलाकात के बाद केसी वेणुगोपाल और रंधावा ने फिर से खड़गे से मुलाकात की। पूर्व डिप्टी सीएम सचिन पायलट और कांग्रेस पार्टी दोनों ने ही अब मौन धारण कर लिया है। गुरुवार को नई दिल्ली में मुलाकातों का दौर चला, लेकिन किसी ने इस बारे में कुछ नहीं बोला।**

## राज्य को मथेंगे पूर्व डिप्टी सीएम

सचिन पायलट ने मामले पर अब चुप्पी साध ली है। 17 अप्रैल को पायलट शाहपुरा और खेतड़ी का दौरा करेंगे और जनसभाओं को संबोधित करेंगे। इन सभाओं में पायलट का क्या रुख रहता है, क्या पायलट फिर से गहलोत पर हमला बोलेंगे या उन्हें हाईकमान ने की नसीहत दे दी है, यह उनके भाषणों से स्पष्ट हो जाएगा। पायलट ने रंधावा के बयानों पर भी किसी प्रकार की प्रतिक्रिया नहीं दी है। सूत्र बताते हैं सचिन पायलट को कांग्रेस हाईकमान की ओर से बुलाया जा सकता है, लेकिन यह मुलाकात कब होगी इस पर असमंजस बना हुआ है। सचिन पायलट खुद कांग्रेस पार्टी छोड़ने के मूड में नहीं हैं। वो लोकतांत्रिक तरीके से पार्टी के अंदर और बाहर पब्लिकली अपनी बात मजबूती से रखना चाहते हैं। पायलट को पता है कि कांग्रेस ने उन्हें निकाला तो इसका कांग्रेस को नुकसान होगा, पब्लिक सिम्पैथी पायलट के साथ हो जाएगी।

Sanjay Sharma

editor.sanjaysharma

@Editor_Sanjay

## जिद... सच की

# नदवी का निधन देश की क्षति

*ऑल इंडिया मुस्लिम पर्सनल लॉ बोर्ड के अध्यक्ष और दारुल उलूम नदवतुल उलमा मौलाना राबे हसनी नदवी का निधन देश के लिए अपूर्णनीय क्षति है। नदवी जी ने मुस्लिमों के उत्थान के लिए बहुत काम किया। नदवी जी को रायबरेली से बहुत लगाव था इसलिए वह कही भी रहे रमजान के महीने में वहीं रहते थे। तकिया में शुक्रवार को नमाज पढ़ी गई और उसके बाद गमगीन माहौल में उनको सुपुर्द ए खाक किया गया। इस दौरान रायबरेली, लखनऊ और आसपास के जिलों के हजारों लोग मौजूद रहे। दारुल उलूम नदवातुल उलेमा के प्रमुख, आल इण्डिया मुस्लिम पर्सनल लॉ बोर्ड के अध्यक्ष व इस्लामिक विद्वान मौलाना राबे हसन नदवी के निधन पर मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने उनके परिजन मौलाना जाफर नदवी से फोन पर बात की और शोक संवेदना प्रकट की। ऑल इंडिया मुस्लिम पर्सनल लॉ बोर्ड के अध्यक्ष मौलाना सैयद राबे हसनी नदवी का निधन पूरी दुनिया खास कर इस्लामिक दुनिया के लिये क्षति है।*

*मौलाना राबे हसनी नदवी का जन्म 29 अक्टूबर 1929 को रायबरेली के तकिया कलां में हुआ था। उन्होंने शुरुआती शिक्षा रायबरेली में ही पूरी की। उसके बाद उच्च शिक्षा के लिये नदवतुल उलमा आ गये। 1948 में नदवे से डिग्री हासिल करने और 1949 में शिक्षा पूरी करने के बाद नदवा में सहायक शिक्षक के तौर अपनी सेवाएं दीं। मौलाना खालिद रशीद ने बताया कि वह 1950 से 1951 तक सऊदी अरब में रहे। सन 1970 में उनकी शैक्षिक सेवाओं को देखते हुये राष्ट्रपति अवार्ड से सम्मानित किया गया। 1993 में नदवा के प्रधानाचार्य बनाये गये। उसके बाद 1999 में नदवा के वाइंस चांसलर व साल 2000 में मौलाना अली मियां के निधन के बाद चांसलर बनाये गये। मौलाना फरंगी महली ने बताया कि मौलाना राबे ने उर्दू और अरबी में करीब 30 पुस्तकें लिखीं थीं। मौलाना आलमी राबता अदब ए इस्लामी रियाद के कुलपति भी थे। मौलाना अली मियां के निधन के बाद मौलाना राबे हसनी नदवी को जून 2002 में हैदराबाद में ऑल इंडिया पर्सनल लॉ बोर्ड का अध्यक्ष नियुक्त किया गया। बोर्ड के वह चौथे अध्यक्ष थे। मौलाना राबे धार्मिक और शैक्षिक मामलों में अपनी बेबाकी के लिये भी जाने जाते थे। वो मुसलमानों को नसीहत देते थे कि इस्लाम धर्म को सिर्फ नमाज तक ही सीमित न करो बल्कि उसे सामाजिक सुधार के मामलों में भी शामिल करो। उनका कहना था कि इस्लाम धर्म जीवन के सभी क्षेत्र में हमारा मार्गदर्शन करता है। मुसलमानों को हर क्षेत्र में हलाल और हराम का ध्यान रखना चाहिये। मौलाना छह बार लगातार मुस्लिम पर्सनल लॉ बोर्ड के अध्यक्ष रहे। उन्होंने इस दौरान मुस्लिम समाज में दहेज जैसी कुप्रथा को समाप्त करने के लिये शरियत के मुताबिक शादियां करने की नसीहत दी।*

> नदवी जी ने मुस्लिमों के उत्थान के लिए बहुत काम किया। नदवी जी को रायबरेली से बहुत लगाव था इसलिए वह कही भी रहे रमजान के महीने में वहीं रहते थे। तकिया में शुक्रवार को नमाज पढ़ी गई और उसके बाद गमगीन माहौल में उनको सुपुर्द ए खाक किया गया। इस दौरान रायबरेली, लखनऊ और आसपास के जिलों के हजारों लोग मौजूद रहे।

(इस लेख पर आप अपनी राय 9559286005 पर एसएमएस या info@4pm.co.in पर ई-मेल भी कर सकते हैं)

# आदिवासियों के जीवन में सरकार ने क्या बदला

डॉ. भारती प्रवीण पवार

आदिवासी समुदाय आधुनिक विकास के लाभों से लाभान्वित होने में अनूठी चुनौतियों का सामना कर रहा है। केंद्र सरकार विभिन्न भौगोलिक और सामाजिक-सांस्कृतिक परिस्थितियों में उन तक पहुंचने के लिए उनकी विशिष्ट चुनौतियों को पूरा करने के लिए अनुकूलित विशेष कार्यक्रमों के लिए प्रावधान कर रही है। कृषि से स्वास्थ्य सेवा और शिक्षा से लेकर कौशल विकास तक भारत सरकार का इरादा हमेशा अंतिम व्यक्ति तक लाभ पहुंचाने का रहा है। प्रधानमंत्री गरीब कल्याण अन्न योजना, जनजातीय उत्पाद के विकास और विपणन के लिए संस्थागत सहायता, कमजोर जनजातीय समूहों के विकास की योजना के जरिए भारत सरकार आदिवासियों के उत्थान और उन्हें मुख्यधारा का हिस्सा बनाने की दिशा में काम कर रही है।

आदिवासी समुदाय के उत्थान के लिए सरकार ने प्री और पोस्ट मैट्रिक छात्रवृत्ति, राष्ट्रीय फेलोशिप और राष्ट्रीय विदेशी छात्रवृत्ति योजनाओं को मजबूत किया। उन जिलों की पहचान की गई, जहां अनुसूचित जनजाति की महिलाओं की शिक्षा तक पहुंच कम है। दूरस्थ क्षेत्रों में अनुसूचित जनजाति के बच्चों को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा देने के लिए एकलव्य आदर्श आवासीय विद्यालय का सुदृढ़ीकरण भी किया गया है। देश की जनजातीय आबादी में सिकल सेल रोग के प्रसार को ध्यान में रखते हुए स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय ने राष्ट्रीय सिकल सेल रोग नियंत्रण कार्यक्रम शुरू किया। वित्त वर्ष 2023 में सरकार ने स्वास्थ्य देखभाल खर्च बढ़ाकर सकल घरेलू उत्पाद का 2.1 फीसदी कर दिया है। वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने इन कार्यक्रमों के लिए संसाधन उपलब्ध कराने के लिए हर संभव प्रयास किया है। उनका बजट भाषण इसी प्रतिबद्धता को दोहराने के साथ शुरू होता है, 'हम एक समृद्ध और समावेशी भारत की कल्पना करते हैं, जिसमें विकास का लाभ सभी क्षेत्रों और नागरिकों, विशेष रूप से हमारे युवाओं, महिलाओं, किसानों, ओबीसी, अनुसूचित जाति और अनुसूचित जनजाति तक पहुंचे।'

एस्पिरेशनल डिस्ट्रिक्ट प्रोग्राम के तहत 27 राज्यों में कुल 112 एस्पिरेशनल डिस्ट्रिक्ट्स की पहचान नीति आयोग ने की है। मैंने कई एस्पिरेशनल जनजातीय जिलों का दौरा कर आदिवासियों के साथ बातचीत की है और उन बदलावों के बारे में जानती हूं जो समाज में इस सरकार की पहल के रूप में आने लगे हैं। इनका प्रभाव अब प्रमुख स्वास्थ्य संकेतकों में दिखाई दे रहा है। स्वास्थ्य और परिवार

कल्याण मंत्रालय द्वारा आयोजित राष्ट्रीय परिवार स्वास्थ्य सर्वेक्षण के अनुसार अनुसूचित जनजातियों में शिशु मृत्यु दर 62.1 (2005-06) से घटकर 41.6 (2019-21) हो गई है। वहीं पांच वर्षों से कम आयु के बच्चों की मृत्यु दर 95.7 (2005-06) से घटकर 50.3 (2019-21) हो गई है। संस्थागत प्रसव 17.7 फीसदी (2005-06) से बढ़कर 82.3 फीसदी (2019-21) हो गया है, साथ में 12-23 महीने के बच्चों का टीकाकरण 31.3 फीसदी (2005-06) से बढ़कर 76.8 फीसदी (2019-21) हो गया है। बजट में 2014 से स्थापित मौजूदा 157 मेडिकल कॉलेजों के साथ सह-स्थान में स्थापित किए जाने वाले 157 नए नर्सिंग कॉलेजों के लिए समर्थन का भी वादा किया गया है। यह भी दोहराया जाना चाहिए कि यह बजट शासन के सभी क्षेत्रों में सरकार को हासिल मील के पत्थरों पर आधारित है, खासतौर से ऐसी योजनाएं जो आबादी के सबसे हाशिए पर और कमजोर वर्गों को लक्षित करती हैं। उनके स्वास्थ्य और कल्याण में सुधार करने में योगदान देने वाली कुछ महत्वपूर्ण योजनाओं में स्वच्छ भारत मिशन के तहत 11.7 करोड़ घरेलू शौचालय, पीएम उज्ज्वला योजना में 9.6 करोड़ एलपीजी कनेक्शन, 47.8 करोड़ पीएम जन धन बैंक खाते और सबसे महत्वपूर्ण हमारा कोविड टीकाकरण अभियान है, जिसमें 102 करोड़ आबादी (220 करोड़ टीकाकरण के साथ) शामिल है। सभी अंत्योदय और प्राथमिकता वाले परिवारों को अगले एक साल के लिए मुफ्त अनाज की आपूर्ति करके पीएम गरीब कल्याण अन्न योजना के तहत समर्थन जारी है।

स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय के तहत सभी योजनाओं और संसाधनों के कार्यान्वयन के संदर्भ में राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन, पंद्रहवां वित्त आयोग और प्रधानमंत्री आयुष्मान भारत हेल्थ इंफ्रास्ट्रक्चर मिशन के साथ-साथ स्वास्थ्य अनुदान जैसे कार्यक्रमों के लिए जनजातीय लोगों पर निरंतर नीतिगत ध्यान केंद्रित किया गया है। प्रधानमंत्री जन आरोग्य योजना योजना के तहत आदिवासी परिवारों के कवरेज पर भी ध्यान केंद्रित करती है। आशा है कि इन समुदायों के लिए भारत सरकार की प्रतिबद्धता और समर्थन स्वास्थ्य सेवाओं तक उनकी पहुंच को और बेहतर बनाने में मदद करेगा।

# चीन की गीदड़-भभकी से क्यों परेशान हों?

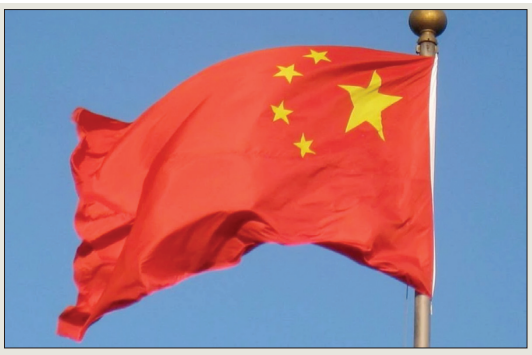

डॉ. रमेश ठाकुर

चीन ने अरुणाचल प्रदेश की विभिन्न जगहों का नाम बदलने का एक ऐसा शफूगा छोड़ा है जिसमें ना आवाज है और ना ही चिंगारियां? फिलहाल ऐसा पहली मर्तबा नहीं हुआ है। जब, उसने इन जगहों के नाम बदलने की कोशिश की हो, पूर्व में भी उसने ऐसी ओछी हरकत करके उकसाने का काम किया था। उसकी इस गीदड़ भभकी को ज्यादा गंभीरता से लेने की जरूरत नहीं है। पर, सतर्कता बरतनी बेहद जरूरी है। दुश्मन चाहें, कमजोर हो या ताकतवर हल्के में नहीं लेना चाहिए। केंद्र की खुफिया एजेंसियों और अरुणाचल प्रदेश की लोकल इंटेलिजेंस को पैनी निगरानी उन क्षेत्रों पर रखनी होगी, जिनका नाम बदलने का जिक्र किया गया है। सैन्य पहरा भी जरूरी है। क्योंकि यही वो भाग है जिस पर दुश्मन की कई दशकों से नजर है और जिसे हम अपना अभिन्न अंग बतलाते हैं।

चीन ने अपने सरकारी अखबार के जरिए जो ये विवादित बात कही है, उसके परिणाम दूरगामी भी हो सकते हैं। क्योंकि इस बार उनकी बकायदा मीटिंग में नाम तय किए गए हैं। जैसे विपक्ष सालों से आरोप लगाता आया है कि चीन अरुणाचल प्रदेश के कई हिस्सों में घुस गया है। आज से दो वर्ष पूर्व यानी दिसंबर-2021 में भी चीन ने अरुणाचल के विभिन्न जगहों के नाम बदलने का कोरा झूठ बोला था। तब हमारे विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता अरिंदम बागची ने कहा था कि चाइना ऐसा करके हमें दिग्भ्रमित करना चाहता है। अपनी नापाक हरकतों से हमारी नजरें हटाना चाहता था। सोचने वाली बात है, हमसे हजारों किलोमीटर दूर पर बैठे लोग पहले से तय हमारे स्थानों के नाम बदलने की बात करते हैं। इसे उनके दिमाग का दिवालियापन ही कहा जाएगा। ऐसे तो हमारी सरकार भी दिल्ली में बैठकर शंघाई का नाम 'संघर्ष नगर' रख देगी, तो क्या उससे उसका नाम संघर्ष नगर हो जाएगा। नाम तो नहीं बदलेगा। पर, उपहास जरूर उड़ेगा, जैसा इस वक्त चीन का उड़ रहा है।

नाम-वाम बदलने का नया विवाद दरअसल है क्या? इसे आसान थ्योरी में अगर समझें तो इसे चीन की नापाक चाल ही कहेंगे। उसने एक बार फिर अरुणाचल प्रदेश को अपना हिस्सा बताकर करीब हमारे 11 अधिकृत स्थानों को अपना नाम दिया है। इसके लिए बाकायदा बीते रविवार को चीनी कैबिनेट की 'स्टेट काउंसिल मीटिंग' आयोजित हुई जिसमें ये सभी प्रस्ताव पारित हुए। अरुणाचल प्रदेश के 11 स्थानों को बिंदुवार तरीके से नए नाम रखे गए। क्योंकि इन नामों की पहले से उनके पास सटीक भोगौलिक जानकारियां हैं ही, जिन स्थानों के नाम बदलने की ये घोषणा हुई है उनमें दो रिहायशी इलाके हैं। पांच ऊँचे पर्वतों वाली चोटियां हैं। दो नदियां हैं और दो अन्य क्षेत्र हैं। दोनों नदियों का पानी दोनों ओर गिरता है। फिलहाल हमारे पास ये खबर अभी तक चीन सरकार के मुखपत्र 'ग्लोबल टाइम्स' के हवाले से आई है। अधिकृत तौर पर उनकी सरकार ने अभी कोई कोई सूचना नहीं दी है और ना ही ऐसे कोई प्रयास किए गए हैं।

गौरतलब है कि चीन ने बकायदा उन स्थानों के अधीनस्थ प्रशासनिक जिलों की श्रेणी भी सूचीबद्ध की है। जबकि, ऐसी ही एक हिमाकत 2017 में भी की थी, जब उन्होंने अरुणाचल के छह स्थानों को अपना बताया था। भारत सरकार ने हमेशा इन हरकतों का बिना कोई जवाब दिए प्रतिवाद किया है और करना भी चाहिए। ऐसे विवादों पर केंद्र सरकार प्रत्यक्ष रूप से मुखर नहीं होती। उनको पता है ये उनका मात्र चिढ़ाने वाला तरीका है। जब, कोई लिखित में चिट्ठी या कब्जे की सीधी कोशिशें होंगी तो उसका प्रतिकूल और माकूल उत्तर दिया जाएगा। फिलहाल सरकार 'वेट एंड वॉच' की स्थिति में है। बैठक रविवार को हुई थी, दो-तीन दिन बीत जाने के बाद भी कोई सुगबुगाहट नहीं है, इसका मतलब ये है कि उन्होंने पहले की तरह सुरसुरी ही छोड़ी है जिसमें ना आवाज है और न तरंगें। अभी कुछ महीने पूर्व की ही बात है। जब, चीन के इसी सरकारी अखबार के हवाले से ये झूठी खबर प्रकाशित हुई कि उन्होंने गलवान घाटी के आसपास से अपनी फोर्स हटाने का निर्णय ले लिया है। इसके अलावा अन्य क्षेत्रों से भी सेना हटाएंगे। दरअसल, ये उनका कोरा झूठ था, भारत सरकार को भ्रमित करने का ताकि इसके बाद भारत अपनी सेना हटाए और वह चुपके से रात के अंधेरे में धावा बोल दे। क्योंकि चीनी रात के अंधेरे में चोरी-चकारी और उल्टे सीधे कामों के माहिर होते हैं। देखिए ये बदला हुआ भारत है, अब यहां रात में भी चौकन्ने रहते हैं। हिंदुस्तान 1962 के मुकाबले 2023 में बहुत मजबूत खड़ा है। हुकूमत भी कठोर है जिसे चीन भलीभांति जानता और समझता भी है। वरना, अभी तक तो कोई ना कोई गड़बड़ी कर चुका होता? कुछ हरकतें कीं भी जिसका उन्हें उनकी ही भाषा में जवाब भी मिला।

चीन को लग रहा है कि उनके इस निर्णय पर भारत सरकार में खलबली मचेगी, लेकिन ऐसा हुआ बिल्कुल भी नहीं? क्योंकि केंद्र सरकार चीनी मसले पर कोई जल्दबाजी नहीं दिखाना चाहती। केंद्र सरकार अरुणाचल क्षेत्र पर आंच तक नहीं आने देना चाहती। 2017 में जब निर्वासित तिब्बती बौद्ध धर्मगुरु दलाई लामा की अरुणाचल यात्रा हुई तब भी चीन ने हंगामा काटा था। चीन ने भारत सरकार पर खूब दबाव बनाया था ताकि भारत उनकी यात्रा रोक दें। यात्रा रोकने की बजाय भारत ने उलटे दलाई लामा की कड़ी सुरक्षा-व्यवस्था में यात्रा को संपन्न कराया और उन्हें राजकीय अतिथि के रूप में प्रोटोकॉल भी दिया। इससे चीन और आग बबूला हो गया।

# शरीर में जान फूंक देगा सोयाबीन

**10 ग्राम फाइबर होता है प्रति कप जो सेहत के लिए है बेहद फायदेमंद**

स्वस्थ शरीर के लिए कई पोषक तत्वों और विटामिन्स की जरूरत होती है। इसके लिए लिए कई तरह के फूड्स का सेवन किया जाता है। शाकाहारी लोगों के लिए सोयाबीन प्रोटीन का अच्छा स्त्रोत माना जाता है। यह सेहत के लिए फायदेमंद होता है। इसमें पर्याप्त मात्रा में प्रोटीन और फैट पाया जाता है। आइए आपको सोयाबीन के फायदे बताते हैं।

## उच्च फाइबर

सोयाबीन फाइबर का अच्छा स्रोत माना जाता है। इसमें प्रति कप लगभग 10 ग्राम फाइबर होता है। जो सेहत के लिए बेहद फायदेमंद है।

## जीरो कोलेस्ट्रॉल

सभी सब्जियों और अनाजों की तरह, सोया खाद्य पदार्थ स्वाभाविक रूप से कोलेस्ट्रॉल मुक्त होते हैं। कई अध्ययनों से पता चलता है कि सोया प्रोटीन को अपने आहार में शामिल करने से आपके एलडीएल या खराब कोलेस्ट्रॉल को 4% -6% तक कम करने में मदद मिल सकती है। इसलिए तंदरुस्त रहने के लिए इसका सेवन जरूर करें।

## सोयाबीन खाने का तरीका

एक दिन में लोग सौ ग्राम सोयाबीन खा सकते हैं। इससे प्रोटीन की दिन भर की जरूरत का आधे से अधिक हिस्सा पूरा हो जाता है। सोयाबीन का इस्तेमाल गिरी या इसकी खली के रूप में किया जा सकता है। इसे अमूमन सब्जी के रूप में प्रयोग किया जाता है और इसके लिये पहले इसे पानी में भिगो दिया जाता है या फिर इसकी गिरी यानी सोयाबीन के दानों को रात भर पानी में भिगो कर सुबह इसे उबालकर भी खाया जा सकता है।

## फैट

सोया में अधिकांश वसा बहुअसंतृप्त होते हैं, जिनमें महत्वपूर्ण ओमेगा-6 और ओमेगा-3 वसा शामिल हैं। संतुलित आहार के हिस्से के रूप में, वे आपके दिल के लिए अच्छे हो सकते हैं और कुछ बीमारियों की संभावना कम करने में मदद करते हैं।

## प्रोटीन का अच्छा स्त्रोत

**वेबएमडी के मुताबिक, यदि आप शाकाहारी हैं, खासकर यदि आप एक एथलीट हैं या बहुत सक्रिय हैं, तो आपके शरीर को पर्याप्त मात्रा में प्रोटीन की जरूरत होती है। इसके सोयाबीन बेहद मददगार होता है। सोया में सभी आवश्यक अमीनो एसिड होते हैं जिनकी आपको स्वस्थ मांसपेशियों और हड्डियों के लिए आवश्यकता होती है।**

## आयरन

एक कप सोयाबीन में लगभग 9 मिलीग्राम आयरन होता है, जो कई कामों में आपके रक्त को पूरे शरीर में ऑक्सीजन पहुंचाने में मदद करता है। यह आयरन का बेहद अच्छा स्त्रोत है। इसके रोजाना सेवन से बॉडी को जरूरी आयरन मिलता है। इन सबके अलावा सोयाबीन शारीरिक दुर्बलता और बालों व त्वचा की तमाम समस्याएं दूर करने के लिए कारगर सिद्ध होता है। सोयाबीन का इस्तेमाल बॉडी-बिल्डिंग के लिये बहुत अच्छा माना जाता है। यह शरीर में नई कोशिकाओं को बनाने के साथ ही क्षतिग्रस्त कोशिकाओं की मरम्मत का काम भी करता है। सोयाबीन स्त्री-रोगों में भी काम आता है और इसके सेवन से शरीर में कुछ ऐसे हार्मोन्स निकलते हैं जो हमारे मानसिक संतुलन को बनाये रखने में काफी मददगार साबित होते हैं। इसमें प्रोटीन के साथ ही लगभग बीस फीसदी अच्छा फैट भी होता है, जो हमारे हृदय को स्वस्थ रखता है। सोयाबीन में कैल्शियम की मात्रा भी अच्छी होती है जिससे हमारी हड्डियों को मजबूती मिलती है। साथ ही ब्लड प्रेशर भी कंट्रोल में रहता है।

## हंसना मना है

बच्चा: पापा, हमारे पड़ोसी बहुत गरीब हैं।
पापा: तुम्हें कैसे पता? बच्चा: उनके बेटे ने एक रुपये का सिक्का निगल लिया है और उसकी मां का रो-रो कर बुरा हाल है।

सोनू: क्या हुआ क्यों उदास बैठे हो? मोनू: कल एक न्यूज चैनल के एंकर ने कहा था आइए हम आपको गोवा लेकर चलते हैं। तभी से तैयार बैठा हूं, कोई आया ही नहीं।

टीचर: अगर कोई स्कूल के सामने बम रख जाए, तो तुम क्या करोगे? छात्र: एक-दो घंटे देखेंगे, अगर कोई ले जाता है, तो ठीक है। वरना स्टाफ रूम में रख देंगे।

ट्रेन में दो यात्री पहला: व्हाट्सएप इंसान को हमेशा आगे बढ़ाता है। दूसरा: वो कैसे?
पहला: अब मुझे ही देखिए, दो स्टेशन पीछे उतरना था, लेकिन मैं तो आगे आ गया।

बेटा (पापा से): कार की चाबी दो, कॉलेज जाना है फंक्शन है। पापा: क्यों? बेटा: 10 लाख की गाड़ी में जाऊंगा तो शान बढ़ेगी। पापा: ये ले 10 रुपए, 30 लाख की बस में जायेगा, तो ज्यादा शान बढ़ेगी।

पत्नी: मैं आपसे बात नहीं करूंगी। पति:ठीक है
पत्नी: क्या आप कारण नहीं जानना चाहते? पति: नहीं, मैं तुम्हारे फैसले की इज्जत करता हूं।

## कहानी — मूर्ख नीलम्मा

बहुत समय पहले की बात है। गंगावती नगर के महाराज शिकार को निकले। शिकार की तलाश में सुबह से शाम हो गई। तभी अचानक उनकी नजर एक जंगली सूअर पर पड़ी। महाराज ने घोड़े को एड़ लगाई और सूअर का पीछा करने लगे। कुछ ही देर में सूरज छिप गया और घना अंधेरा छाने लगा। सूअर पतों की आड़ में खो गया। महाराज ने अपने आस-पास देखा। उनके निकट कोई सैनिक न था। शिकार की धुन में वे स्वयं जंगल में अकेले निकल आए थे। महाराज को शीघ्र ही भूख-प्यास सताने लगी। सर्दियों का मौसम था। कुछ ही दूरी पर आग जलती हुई दिखाई दी। एक औरत आग सेंक रही थी। उसने महाराज को नहीं पहचाना और बोली- मुसाफिर हो क्या? भूखे-प्यासे भी लगते हो? महाराज ने सिर हिलाकर हामी भरी। उस औरत का नाम नीलम्मा था। वह खाने के लिए थोड़ा-सा भात और सब्जी ले आई। भोजन स्वादिष्ट था। खाने के बाद महाराज ने पूछा- तुम इस घने जंगल में अकेली रहती हो? नहीं, मेरे पति भी साथ रहते हैं। वह अभी बाजार गए हैं। नीलम्मा ने उत्तर दिया। वह दोनों लकड़ी का कोयला बेचकर गुजारा करते थे। उसी समय नीलम्मा का पति भी आ पहुँचा। उसने राजसी वेश पहचान लिया और महाराज को प्रणाम किया। तब नीलम्मा को पता चला कि जिसे वह एक मुसाफिर समझ रही थी, वे तो महाराज हैं। महाराज ने खुश होकर उन्हें चंदन वन उपहार में दे दिया। तभी सैनिक भी महाराज की खोज में वहीं आ पहुँचे और महाराज लौट गए। इस बात को कई वर्ष बीत गए। एक दिन महाराज पुनः शिकार खेलते-खेलते चंदन वन में जा पहुँचे। तभी उन्हें नीलम्मा और उसके पति की याद आई। उन्होंने सोचा कि वे दोनों भली प्रकार जीवन-यापन कर रहे होंगे। अचानक उन्होंने देखा कि एक बूढ़ी स्त्री लकड़ियों के टुकड़े चुन रही थी। उन्हें देखते ही वह स्त्री, उनके पैरों पर गिर पड़ी। महाराज नीलम्मा की दीन दशा को देखकर चौंक गए और पूछा- क्या तुम्हारा पति तुम्हें छोड़ गया है? नहीं, महाराज! हम आज भी उसी तरह प्रेम से रहते हैं और लकड़ी का कोयला बनाकर बेचते हैं। क्या? नीलम्मा की बात सुनकर महाराज ने माथा पीट लिया। उन दोनों ने सारे चंदन वृक्षों को लकड़ी का कोयला बना-बनाकर बेच दिया था। महाराज ने नीलम्मा के पति को लकड़ी का एक टुकड़ा देकर कहा, जरा इसे बाजार में बेच आओ। बाजार में चंदन की लकड़ी हाथों-हाथ बिक गई। नीलम्मा के पति को बहुत से रुपये मिले। तब उसकी समझ में आया कि उसने कितनी बड़ी मूर्खता की है। उपहार में मिला चंदन वन उनकी अज्ञानता के कारण नष्ट हो गया।
**सीख: मूर्ख व्यक्ति कीमती और मूल्यवान वस्तु को भी अपनी लापरवाही से दो कौड़ी का बना देता है।**

## 5 अंतर खोजें

## जानिए कैसा रहेगा कल का दिन

पंडित संदीप आत्रेय शास्त्री

लेखक प्रसिद्ध ज्योतिषविद हैं। सभी प्रकार की समस्याओं के समाधान के लिए कॉल करें-9837081951

**मेष**

ससुराल से तनाव मिल सकता है। धन को लेकर आप परेशान रहेंगे। सप्ताह के बीच में लंबी ट्रैवलिंग पर जाने के योग बनेंगे। पारिवारिक जीवन खुशी से बितायेंगे।

**वृषभ**

बिजनेस के लिए यह वीक इंपॉर्टेंट रहेगा और आपको बिजनेस ग्रोथ में सपोर्ट करेगा। नौकरी पेशा लोगों को भी इस समय में कुछ नई अचीवमेंट प्राप्त हो सकती है।

**मिथुन**

खर्चों में यकायक तेजी रहेगी। सप्ताह के बीच में स्थितियां कंट्रोल में रहेंगी। गृहस्थ जीवन अच्छा चलेगा। बिजनेस में अच्छा एक्सपेंशन करने की कोशिश करेंगे।

**कर्क**

लव लाइफ खूब अच्छी होगी। इनकम भी बढ़िया होगी। आपका कॉन्फिडेंस बढ़ेगा। कुछ नई चीजें खरीद सकते हैं। सप्ताह के बीच में खर्चों में तेजी आएगी।

**सिंह**

सिंह राशि के जातक सप्ताह की शुरुआत में अपनी फैमिली लाइफ का इंपॉर्टेंस देंगे लेकिन अपनी प्रोफेशनल लाइफ को भी पीछे नहीं छोड़ेंगे, इसलिए आप बिजी रहेंगे।

**कन्या**

कन्या राशि के जातक सप्ताह की शुरुआत में कहीं घूमने जा सकते हैं। दोस्तों के साथ भी टाइम स्पेंड करेंगे। भाइयों का पूरा सपोर्ट आपके काम में इस सप्ताह रहने वाला है।

**तुला**

बैंक में डिपॉजिट करा सकते हैं। परिवार के लोगों से सपोर्ट रहेगा। यदि आप फैमिली बिजनेस करते हैं तो उसमें अच्छी सक्सेस इस सप्ताह आपको मिल सकती है।

**वृश्चिक**

गृहस्थ जीवन में प्यार ही प्यार नजर आएगा। लव लाइफ पार्टनर का पूरा सपोर्ट आपके साथ रहेगा। किसी नए बिजनेस को शुरू करने के बारे में सोच सकते हैं।

**धनु**

खर्चों को लेकर भी आप परेशान रहेंगे। सप्ताह के बीच में अपनी सेहत पर आपका ध्यान जाएगा। सेहत में सुधार होगा। गृहस्थ जीवन में तनाव में उतार-चढ़ाव की स्थिति रहेगी।

**मकर**

आपकी दिली ख्वाहिशें पूरी होंगी। इनसे आपका कॉन्फिडेंस भी बढ़ेगा। लव लाइफ के लिए भी समय अच्छा है। आप अपने लवर के साथ रोमांटिक डेट प्लान करेंगे।

**कुम्भ**

नौकरी में ज्यादा मेहनत करने की कोशिश आपको परेशान तो करेगी लेकिन आपकी परफॉर्मेंस में सुधार होगा। घरवालों का सपोर्ट आपके साथ रहेगा। विरोधी परेशान कर सकते हैं।

**मीन**

आपकी आर्थिक स्थिति बढ़िया रहेगी। कामों में सफलता मिलेगी। लंबी ट्रैवलिंग के योग बनेंगे। सप्ताह के बीच में करियर पर ध्यान देने का समय रहेगा। आपका कॉन्फिडेंस बढ़ेगा।

बॉलीवुड | मन की बात

# सलमान के सेट पर लड़कियों को मना है रिवीलिंग कपड़े पहनना : पलक

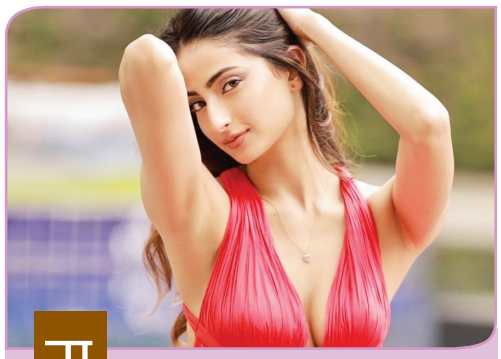

सलमान खान की फिल्म किसी का भाई किसी की जान की स्टारकास्ट इन दिनों चर्चा में बनी हुई है। इस मूवी से टीवी एक्ट्रेस श्वेता तिवारी की बेटी पलक बॉलीवुड डेब्यू कर रही हैं। एक इंटरव्यू में पलक ने सलमान संग काम करने का एक्सपीरियंस शेयर करते हुए बड़ा खुलासा किया। उन्होंने बताया कि सलमान की फिल्मों के सेट पर लड़कियों की ड्रेसिंग को लेकर रूल सेट होते हैं। पलक कहती हैं-मैं सलमान खान की फिल्म अंतिम में असिस्टेंट डायरेक्टर थी। मुझे नहीं लगता कई लोगों को ये बात मालूम है, सलमान सर का एक रूल होता है कि लड़कियों की मेरे सेट पर नेकलाइन यहां (इशारा करते हुए) होनी चाहिए। सभी लड़कियां कवर्ड होनी चाहिए। अच्छी प्रॉपर लड़कियों की तरह। इसलिए जब मेरी मां ने मुझे शर्ट-जॉगर पहने, पूरी तरह से कवर्ड होकर सेट पर जाते देखा तो उन्होंने मुझे पूछा कि मैं कहां जा रही हूं? कैसे तुम अच्छे से ड्रेसअप हो? सलमान खान की फिल्म किसी का भाई किसी की जान की स्टारकास्ट इन दिनों चर्चा में बनी हुई है। इस मूवी से टीवी एक्ट्रेस श्वेता तिवारी की बेटी पलक बॉलीवुड डेब्यू कर रही हैं। एक इंटरव्यू में पलक ने सलमान संग काम करने का एक्सपीरियंस शेयर करते हुए बड़ा खुलासा किया। उन्होंने बताया कि सलमान की फिल्मों के सेट पर लड़कियों की ड्रेसिंग को लेकर रूल सेट होते हैं। पलक कहती हैं- मैं सलमान खान की फिल्म अंतिम में असिस्टेंट डायरेक्टर थी। मुझे नहीं लगता कई लोगों को ये बात मालूम है, सलमान सर का एक रूल होता है कि लड़कियों की मेरे सेट पर नेकलाइन यहां (इशारा करते हुए) होनी चाहिए। सभी लड़कियां कवर्ड होनी चाहिए। अच्छी प्रॉपर लड़कियों की तरह। इसलिए जब मेरी मां ने मुझे शर्ट-जॉगर पहने, पूरी तरह से कवर्ड होकर सेट पर जाते देखा तो उन्होंने मुझे पूछा कि मैं कहां जा रही हूं? कैसे तुम अच्छे से ड्रेसअप हो?

# टॉप-100 प्रभावशाली लोगों में शामिल हुए शाहरुख और राजामौली

बॉलीवुड | मसाला

शाहरुख खान की पूरी दुनिया दीवानी है। वहीं साउथ के डायरेक्टर एस एस राजामौली भी अपनी एपिक फिल्म 'आरआरआर' की वजह से पूरी दुनिया में छाए हुए हैं। इन सबके बीच टाइम मैग्जीन ने गुरुवार को साल 2023 की 100 सबसे प्रभावशाली लोगों की लिस्ट जारी की थी। लिस्ट में इंडियन एक्टर शाहरुख खान और फिल्म डायरेक्टर एस एस। राजामौली ने भी जगह बनाई है। इस लिस्ट में राइटर सलमान रुश्दी और टेलीविजन होस्ट और जज पद्मा लक्ष्मी भी शामिल हैं। शाहरुख खान की 'पठान' को स्टार दीपिका पादुकोण ने शाहरुख खान की जमकर तारीफ करते टाइम की लिस्ट के लिए उनकी प्रोफाइल लिखी है। एक्ट्रेस ने लिखा, किसी के लिए जो उन्हें बहुत करीब से जानता है और उनकी गहराई से देखभाल करता है। उसके लिए 150 शब्द कभी न्याय नहीं करेंगे जो कि शाहरुख खान हैं। दीपिका पादुकोण ने कहा, शाहरुख खान को हमेशा के लिए सबसे ग्रेट एक्टर में से एक के रूप में जाना जाएगा। बता दें कि शाहरुख खान ने 2023 TIME100 रीडर पोल जीता था। जिसमें रीडर्स ने उन इंडीविजुअल के लिए वोटिंग की थी जिन्हें वे टाइम की सबसे प्रभावशाली लोगों की एनुअल लिस्ट में एक जगह देने के लिए सबसे ज्यादा काबिल मानते थे। वहीं फिल्म आरआरआर के सॉन्ग नाटू-नाटू के लिए ऑस्कर जीतने वाले साउथ डायरेक्टर एसएस राजामौली को भी टाइम्स की 100 प्रभाशाली लोगों की लिस्ट में जगह मिली है। एसएस राजामौली की तारीफों को पुल बांधते हुए एक्ट्रेस आलिया भट्ट ने लिखा है, आरआआर डायरेक्टर दर्शकों की नब्ज पहचानते हैं। वह जानते हैं कि क्या हिट करना है, क्या लेना है। आलिया भट्ट ने आगे कहा, मैं उन्हें मास्टर स्टोरीटेलर कहती हूं क्योंकि वह वास्तव में कहानियों की शैली और परित्याग से प्यार करते हैं, और वह हमें साथ लाते हैं, उन्होंने कहा कि भारत विविधता से भरा विशाल देश है और एसएस राजामौली हमें अपनी फिल्मों के माध्यम से एकजुट करते हैं।

# ओवरवेट होने के चलते राधिका के हाथ से फिसल गई थी फिल्म

राधिका आप्टे की अपकमिंग मूवी मिसेज अंडरकवर 14 अप्रैल को ओटीटी प्लेटफॉर्म जी-5 पर रिलीज के लिए तैयार है। इस फिल्म के जरिए एक बार फिर से राधिका आप्टे अपना जलवा दिखाने के लिए पूरी तरह से तैयार हैं। इसी बीच राधिका ने इस बात का खुलासा किया है कि उनके शुरुआती टाइम में एक्ट्रेस को ओवरवेट की वजह से एक फिल्म से हाथ तक धोना पड़ गया था। राधिका आप्टे ने फिल्म कंपैनियन से बात करते हुए इस बात का खुलासा किया कि, उन दिनों मेरा वजन तीन से चार किलो ज्यादा था। उन दिनों मुझे अक्सर मेरे जिस्म के कुछ हिस्सों को बदलने के लिए कहा जाता था। तब मुझे एक फिल्म से भी हाथ धोना पड़ गया था। राधिका आप्टे ने अपनी बात को जारी रखते हुए आगे कहा कि, मुझसे कहा जाता था कि तुम्हारी नाक बड़ी क्यों नहीं है और ब्रेस्ट छोटे क्यों हैं। हालांकि अब हम लोग इन सब के बारे में बात कर सकत हैं। उस टाइम हमारे पास सपोर्ट सिस्टम भी नहीं था और अवेयरनेस की बहुत कमी थी, शायद इसी वजह से उनकी बॉडी का मजाक उड़ाया जाता था।

इन सब बातों के अलावा राधिका आप्टे ने पीटीआई से बात करते हुए मिसेज अंडरकवर के बारे में भी बताया। एक्ट्रेस ने बताया कि, ये फिल्म जासूसी कॉमेडी के साथ बनी अनएक्सप्लोर्ड जोनरा की मूवी है। मुझे फिल्म के कैरेक्टर दुर्गा से बहुत प्यार है, जो कि ईमानदार, मजाकिया और अनाड़ी भी है। इसके साथ वो खुद को लेकर सिन्सेयर नहीं है। ये फिल्म मेरी पावर जर्नी की तरह है। अपनी बात को आगे बताते हुए राधिका आप्टे ने आगे कहा कि, हर घर में एक दुर्गा होती है, जो बस अपना काम करती है और जिसे उसका हक भी नहीं मिलता है। मेरी ये फिल्म सोसायटी की पुरुषवादी सोच से लड़ती हुई नजर आने वाली है।

अजब-गजब | आज तक कोई नहीं जान पाया इसका रहस्य

# इस शिवलिंग पर चढ़ाने के बाद बदल जाता है दूध का रंग

भारत के बारे में कहा जाता है कि यहां हर पांच कोस के बाद पानी बदलता है और हर पांच कोस के बाद भाषा बदलती है। देश के हर गांव आपको तकरीबन एक मंदिर तो मिल ही जाएगा। सभी मंदिरों का अपना कुछ न कुछ पौराणिक महत्व है। इसमें से कई मंदिरों को चमत्कारिक मंदिर कहा जाता है। इन मंदिरों के चमत्कार का जवाब वैज्ञानिक आज तक नहीं खोज पाएं है।

एक ऐसा ही मंदिर केरल में स्थित है। जिसके चमत्कार के चर्चे देश नहीं बल्कि पूरे विश्व में हैं। यह मंदिर तमिलनाडु के कीजापेरूमपल्लम गांव में स्थित है। नागनाथस्वामी मंदिर को केति स्थल के नाम से भी जाना जाता है। यह मंदिर कावेरी नदी के तट पर स्थित है। आपको जानकर हैरानी होगी कि मंदिर में जब श्रद्धालुओं द्वारा शिवलिंग पर दूध चढाया जाता है तो उसका रंग देखते ही देखते नीला हो जाता है।

सबसे आश्चर्य की बात है कि इसके बारे में आज तक कोई जान नहीं पाया है। लोगों को समझ ही नहीं आता कि आखिर ऐसा क्यों होता है। हालांकि यह हमेशा देखने को नहीं मिलता। मान्यता है कि जो लोग केतु ग्रह के दोष से पीड़ति होते हैं, सिर्फ उनके द्वारा ही जो दूध चढ़ाया जाता है उसका ही रंग नीला होता है। बाद में ये रंग फिर से सफेद हो जाता है।

हैरानी इस बात की है कि वैज्ञानिक भी आज तक यह नहीं जान पाए हैं कि आखिर दूध का रंग नीला क्यों हो जाता है। सबसे हैरानी की बात है कि यह वापस से सफेद रंग का कैसे हो जाता है, इसके बारे में भी वैज्ञानिक नहीं जान पाए हैं। इस मंदिर में दूध चढ़ाने के बाद उसका रंग बदलने को लोग चमत्कार कहते हैं। मंदिर में लोग काफी दूर से दर्शन करने आते हैं। मंदिर से जुड़ी एक मान्यता भी है। माना जाता है कि एक बार महान ऋषि के श्राप से मुक्ति के लिए केतु ने भगवान शिव की आराधना की थी। इसके बाद केतु की तपस्या से खुश होकर भगवान शिव ने शिवरात्रि के दिन केतु को श्राप से मुक्ति दी थी। इसके बाद से ही केतु को समर्पित इस मंदिर मे भगवान शिव का भी माना जाता है।

# इस समुद्र में चाहकर भी नहीं डूब सकता कोई इसमें नहाने से दूर हो जाती है लोगों की बीमारी!

आपने सुना होगा कि समंदर बहुत खतरनाक और गहरे होते हैं। समंदर में आपने कई लोगों के डूबने की घटनाएं भी सुनी होंगी। समंदर में हर कोई तैरने की हिम्मत नहीं करता। एक असली तैराक ही समंदर में तैराकी के मजे ले सकता है। लेकिन सोचिए आपको तैरना नहीं आता और आप समंदर में चले जाएं तो क्या होगा। आप कहेंगे कि जिसको तैरना नहीं आता वो समंदर में डूब जाएगा। लेकिन क्या आप जानते हैं कि एक ऐसा समंदर भी है, जहां कोई चाहकर भी नहीं डूब सकता। अगर आपको तैरना नहीं आता तो भी आप इस समंदर में नहीं डूब सकते। हम बात कर रहे हैं जॉर्डन और इजराइल के बीच में स्थित डेड सी की। इस समंदर में दुनिया भर के सभी समंदर से ज्यादा खारा है। इस समंदर में आप चाहकर भी नहीं डूब सकते। दरअसल, यहां पर नमक की मात्रा इतनी ज्यादा है कि दूसरे समन्दरों के मुकाबले यहाँ 6 से 7 गुना ज्यादा नमक पाया जाता है। पानी में इतना ज्यादा नमक होने के कारण यहां कोई नहीं डूबता। इसमें पानी का बहाव नीचे से ऊपर की ओर है और यही कारण है कि इस समुद्र में सीधे लेट जाने पर आप इसमें डूब नहीं सकते। यहां हमेशा पर्यटकों की भी? लगी रहती है। इस समुद्र का पानी इतना ज्यादा खारा है कि ना तो यहां कोई पे?-पौधा है और न ही कोई घास। इस समुद्र में मछली और अन्य जीव भी नहीं पाए जाते। इसी कारण ग्रीक लेखक ने इसे डेड सी का नाम दिया था। वैसे इसे और भी कई नामों से बुलाया जाता है। हेब्रू में इसे नमक का सागर कहते हैं। वैसे तो इसको कई नामों से जाना जाता है कि लेकिन आज भी इसकी पहचान डेड सी के नाम से ही है। आपको जानकर हैरानी होगी कि यहां लोग सिर्फ मौज मस्ती ही नहीं बल्कि इस समंदर में मौजूद मिनरल्स स्वास्थ्य के लिए भी आते हैं। ये समंदर कुदरत का एक तोहफा है जो हजारों सालों की कोशिशों के बाद बना है। इसकी इन ही खूबियों के चलते इसे 2007 में 7 न्यू वंडर्स इन द वर्ल्ड की लिस्ट में शामिल किया गया।

# सरकारी एजेंसियों का गलत इस्तेमाल कर रही मोदी सरकार

## » केजरीवाल को सीबीआई की नोटिस पर गरमाई सियासत

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

**नई दिल्ली। राजधानी दिल्ली में आबकारी नीति में कथित भ्रष्टाचार की आग अब राज्य के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल तक पहुंच गई है। सीबीआई ने केजरीवाल को पूछताछ के लिए नोटिस भेज दिया है। केजरीवाल को सीबीआई का नोटिस मिलते ही देश की सियासत एक बार फिर गर्म हो गई है।**

लगातार विपक्षी नेताओं पर सरकारी एजेंसी के प्रयोग को लेकर पूरा विपक्ष अब एक बार फिर मोदी सरकार पर हमलावर हो गया है। आम आदमी पार्टी ने केजरीवाल को भ्रष्टाचार का काल बताते हुए नोटिस को भाजपा व केंद्र सरकार की साजिश करार दिया है। आप ने सीबीआई की ओर से मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल को समन भेजने को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की साजिश करार दिया है। आप सांसद संजय सिंह ने कहा कि केजरीवाल ने विधानसभा में अडानी की कंपनी में लाखों करोड़ों रुपये काला धन मोदी का लगा होने का दावा किया था। उसी दिन से उनके खिलाफ मोदी ने साजिश रचनी शुरू कर दी और आज सीबीआई का समन भी आ गया, मगर इस समन से भ्रष्टाचार के खिलाफ केजरीवाल की लड़ाई रुकने वाली नहीं है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री ने 16 अप्रैल को केजरीवाल को गिरफ्तार कर जेल में डालने की जो साजिश रची है, इससे केजरीवाल की आवाज नहीं दबने वाली है।

### गैंग चला रही है भाजपा : राउत

संजय राउत ने आरोप लगाया कि अरविंद केजरीवाल को सीबीआई का नोटिस मिला है। ईडी और सीबीआई की मदद से एनसीपी को तोड़ने की कोशिश की जा रही है...क्या ऐसी सरकार है? संजय राउत ने आरोप लगाया कि वह (भाजपा) गैंग चला रहे हैं।

### केंद्रीय एजेंसियों का दुरुपयोग : आतिशी

आप नेता व दिल्ली सरकार की मंत्री आतिशी ने कहा कि अरविंद केजरीवाल ने प्रधानमंत्री और उनके दोस्तों के भ्रष्टाचार को उजागर करने के बाद से भाजपा तिलमिलाई हुई थी। इस कारण भाजपा ने एक केंद्रीय एजेंसियों का दुरुपयोग करते हुए अरविंद केजरीवाल को समन भेजा है। भाजपा के अगले टारगेट के बारे के बारे में उन्हें उसी दिन से मालूम था जिस दिन अरविंद केजरीवाल ने प्रधानमंत्री के भ्रष्टाचार को एक्सपोज किया था। मगर प्रधानमंत्री व उनके खास दोस्त के भ्रष्टाचार की अब तक जांच नहीं हुई है, लेकिन इस भ्रष्टाचार का खुलासा करने वाले केजरीवाल को सीबीआई का नोटिस आ गया है।

### उत्पीड़न कर रही बीजेपी: कपिल सिब्बल

इस मसले को लेकर राज्यसभा सांसद कपिल सिब्बल ने भाजपा सरकार पर निशाना साधा है। उन्होंने कहा कि भाजपा की सरकार सीएम केजरीवाल को परेशान कर रही है। सिब्बल ने ट्वीट में लिखा कि सीबीआई ने केजरीवाल को समन भेजा है और बीजेपी कहती है ये कानून है। मैं कहता हूं ये उत्पीड़न है।

# कांग्रेस की ही देन जो मुझ जैसे गरीब को बनाया पार्टी का अध्यक्ष : खरगे

## » बोले- पब्लिक सेक्टर को कमजोर कर रही मोदी सरकार

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

**हैदराबाद। तेलंगाना दौरे पर पहुंचे कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने अपनी ही पार्टी यानी कांग्रेस की तारीफ करते हुए कहा कि उनकी पार्टी की वजह से है कि उनके जैसा विनम्र पृष्ठभूमि वाला व्यक्ति इतना लंबा और सफल राजनीतिक करियर बना सका और कई बार विधायक तथा सांसद बना। खरगे ने तेलंगाना के मनचेरियल में 'जय भारत सत्याग्रह सभा' को संबोधित करते हुए कहा कि अगर दिवंगत प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी और कांग्रेस की वरिष्ठ नेता सोनिया गांधी ने उनके जैसे गरीब आदमी को प्रोत्साहित नहीं किया होता, तो वह विधायक नहीं होते। खरगे ने कहा कि सोनिया गांधी ने उन्हें कांग्रेस के अध्यक्ष के रूप में काम करने का अवसर दिया, जो एक बड़ी जिम्मेदारी है।**

खरगे ने कहा कि कांग्रेस नेता राहुल को 2019 के मानहानि मामले में दोषी ठहराए जाने के 24 घंटे के भीतर नोटिस दिया गया और लोकसभा से अयोग्य घोषित कर दिया गया, लेकिन गुजरात के एक भाजपा सांसद को एक अपराधिक मामले में दोषी ठहराए जाने के बावजूद अयोग्य घोषित नहीं किया गया। हालांकि, खरगे ने गुजरात के उस सांसद का नाम नहीं लिया। कांग्रेस अध्यक्ष ने मोदी की अगुवाई वाली सरकार पर पब्लिक सेक्टर को कमजोर करने और वादे के मुताबिक, करोड़ों नौकरियां न देने का आरोप भी लगाया।

# असद एनकाउंटर पर अधिकार सेना ने एनएचआरसी से की शिकायत

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

**» अमिताभ ठाकुर ने उठाये 12 बिंदुओं के आधार पर सवाल**

**लखनऊ। यूपी एसटीएफ द्वारा अतीक के बेटे असद और शूटर गुलाम का एनकाउंटर करने के बाद, कई लोगों द्वारा इस एनकाउंटर पर सवाल खड़े किए जा रहे हैं। इसी क्रम में अधिकार सेना के राष्ट्रीय अध्यक्ष अमिताभ ठाकुर ने भी कुछ सवाल खड़े करते हुए राष्ट्रीय मानवाधिकार आयोग से शिकायत की है।**

अमिताभ ठाकुर ने डिप्टी एसपी एसटीएफ नवेंदु कुमार द्वारा थाना बड़गांव, झांसी में दर्ज कराए गए तीन एफआईआर और एसटीएफ द्वारा इस संबंध में जारी किए गए मौके के विभिन्न फोटोग्राफ के आधार पर 12 संदेह के बिंदु बताए हैं। उन्होंने कहा कि यह सारे बिंदु इस कथित एनकाउंटर की सत्यता पर गंभीर प्रश्नचिन्ह लगाते हैं। इन बिंदुओं में एसटीएफ द्वारा एफआईआर में मौके पर असद और गुलाम के जिंदा रहने के दावे, मौके पर इन दोनों के शरीर की पोजीशन, खुद घटनास्थल की स्थिति, घटनास्थल पर पाए गए मोटरसाइकिल की स्थिति, मृतकों द्वारा पिस्तौल के पकड़े जाने की स्थिति आदि के आधार पर रखे गए सवाल शामिल हैं। ठाकुर ने कहा कि यह विधि का स्थापित सिद्धांत है कि राज्य या किसी भी व्यक्ति को किसी अन्य व्यक्ति को मारने का अधिकार नहीं है और किसी भी व्यक्ति की जान मात्र न्यायिक प्रक्रिया से ही ली जा सकती है। किसी व्यक्ति के दुर्दांत अपराधी होने के नाम पर उसे मारा नहीं जा सकता है। यदि ऐसी स्थिति पर अंकुश नहीं लगाया गया तो व्यवस्था पूरी तरह अराजक हो जाएगी।

# देश के विकास के लिए हमें एक होने की जरूरत: मोहन भागवत

## » बोले- पहले हम एक थे, लेकिन जातियों के रूप में हो गए विभाजित

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

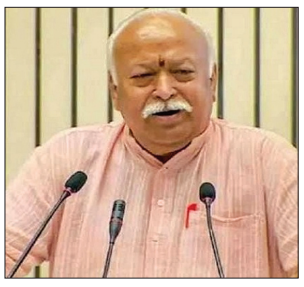

**नागपुर। संघ प्रमुख मोहन भागवत ने देश में एकता का संदेश देते हुए कहा कि पहले हम एक थे, लेकिन हम जातियों के रूप में विभाजित हुए और इस विभाजन को विदेशियों ने और बढ़ा दिया, लेकिन अब देश के विकास के लिए, हमें फिर से एक होना होगा।**

आरएसएस कार्यकर्ताओं को समाज शक्ति संगम कार्यक्रम में संबोधित करते हुए भागवत ने संविधान निर्माता डॉ. बी. आर. आंबेडकर को उनकी 132वीं जयंती पर याद करते हुए कहा कि बाबा साहेब ने कहा था कि समतामूलक समाज से ही देश का विकास होगा। भागवत ने कहा कि आंबेडकर ने कहा था कि हम विदेशी आक्रमणकारियों से हार गए, क्योंकि हम विभाजित थे। संघ प्रमुख ने कहा कि बाबा साहब अंबेडकर के जन्म की एक ऐसी घटना थी कि उस समय किसी ने ध्यान नहीं दिया होगा। लेकिन वो कदम जब पूरा हुआ तो क्या परिवर्तन आया वो हम देख रहे हैं। बाबा साहब तो चले गए लेकिन अभी वो परिवर्तन आना बाकी है। हमें इसकी ओर चलना होगा। संघ प्रमुख ने आगे कहा कि आज हम स्वतंत्रता का 75वां सर्ष देख रहे हैं। उस स्वतंत्रता में अपने वास्तिविक स्व अभिव्यक्ति प्राप्त करने के लिए तंत्र हमारे हाथ में आया। इस देश में विदेशी नहीं चाहिए हमारे अपने हाथ में हमारे राज्य चाहिए इसलिए कि गुलामी में स्वंय की अभिव्यक्ति नहीं हो सकती।

# चुनावों को ध्यान में रखकर सरकार करा रही मुठभेड़: अखिलेश

## » बोले- संविधान को नष्ट करने का काम कर रही भाजपा

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

**लखनऊ। अतीक अहमद के बेटे असद के एनकाउंटर पर सवाल खड़े करते हुए सपा प्रमुख अखिलेश यादव ने योगी सरकार पर निशाना साधते हुए कहा कि प्रदेश की भारतीय जनता पार्टी सरकार चुनावों को देखते हुए मुठभेड़ों को अंजाम दे रही है। सपा प्रमुख ने कहा कि संविधान खतरे में है।**

उन्होंने कहा कि लोकतांत्रिक संस्थाएं एक के बाद एक समाप्त हो रही हैं और भाजपा सरकारें बाबा साहेब द्वारा हमें दिए गए संविधान को नष्ट करने का काम कर रही हैं। सीएम योगी पर निशाना साधते हुए अखिलेश ने कहा कि बलिया में मुख्यमंत्री की जाति के लोगों द्वारा एक होनहार छात्र नेता की हत्या कर दी गई। उस पर कुछ क्यों नहीं ऐक्शन लिया गया।

# 24 में जो भाजपा को वोट देंगे, वो देश को करेंगे बर्बाद : नीतीश

## बिहार के सीएम ने कहा-मैं पीएम पद का दावेदार नहीं

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

**पटना। 2024 के लोकसभा चुनाव से पहले विपक्ष को एकजुट करने में लगे बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने भाजपा की केंद्र सरकार पर परोक्ष रूप से हमला बोलते हुए कहा कि लोकसभा चुनाव में जो लोग उसे वोट देंगे वे खुद को और देश को बर्बाद करेंगे तथा जो हमें वोट देंगे, वे अपना, देश और राज्य का भला सुनिश्चित करेंगे।**

पटना स्थित जनता दल (यूनाइटेड) मुख्यालय में डॉ. आंबेडकर जयंती के अवसर पर बोलते हुए नीतीश ने कहा कि मैं विपक्षी एकता बनाने की दिशा में काम कर रहा हूं, लेकिन मैं प्रधानमंत्री पद का दावेदार नहीं हूं। 2024 के लोकसभा चुनाव से पहले केंद्र सरकार के खिलाफ गठबंधन बनाने को लेकर सभी विपक्षी दल एकजुट हैं। मुख्यमंत्री ने दावा किया कि उनका एकमात्र लक्ष्य भाजपा को सत्ता से बेदखल करने के लिए विपक्ष को एकजुट करने के वास्ते काम करना है। नीतीश ने कहा कि मैंने दिल्ली में कांग्रेस और वाम दलों सहित कई विपक्षी नेताओं से मुलाकात की। हमारी बहुत सकारात्मक और रचनात्मक मुलाकात हुई। अब मैं अन्य गैर-भाजपा दलों से बात करूंगा और देश भर के दौरे पर जाऊंगा।

विपक्षी दलों को एकजुट करना ही एकमात्र लक्ष्य है और इसके लिए हर नेता काम करेगा। नीतीश ने आरोप लगाया कि भाजपा लोगों को धार्मिक आधार पर बांटकर देश को तोड़ने की साजिश कर रही है। उन्होंने कहा कि वे इतिहास को फिर से लिखने के लिए बेताब हैं। वे केवल देश में नफरत फैलाने की कोशिश कर रहे हैं। उन्हें पूरे देश से मिटाने की जरूरत है।

# अशोक मसाले के मालिक की कार से दबकर गार्ड की मौत

## पीड़ित परिवार पर पैसे का दबाव बना रही पुलिस

» न्याय और मुआवजे की मांग कर रहा परिवार

4पीएम न्यूज नेटवर्क

कानपुर। वो कहते हैं न कि 'सबसे बड़ा रुपैया', अगर आप अरबपति और रईसजादे हैं तो फिर आपको किसी बात की कोई दिक्कत नहीं। फिर कानून, पुलिस और पत्रकार सब आपकी जेब में। फिर भले आप कुछ भी करो, आपको सबकुछ माफ। ऐसा ही एक नया मामला सामने आया है कानपुर से।

जहां अशोक मसाले के मालिक के बंगले में उनकी कार से दबकर एक सिक्योरिटी गार्ड की मौत हो गई। इस मामले को लेकर सिक्योरिटी गार्ड के परिजन हंगामा कर रहे हैं, जबकि अशोक मसाले के रईसजादे मालिक के घर के लोगों का कहना है कि ये एक दुर्घटना है और ऐसा धोखे में हुआ है। मामले की जानकारी होने पर जब पुलिस मौके पर पहुंची तो पुलिस ने शव निकलवाने के साथ ही पार्किंग पर लगे सीसी कैमरे के फुटेज देखे तो घटनाक्रम सामने आया।

हादसे का शिकार हुए गार्ड का नाम आदित्य मिश्रा बताया जा रहा है। 35 वर्षीय आदित्य मौनी घाट आजाद नगर निवासी अशोक मसाले के मालिक अनुराग गुप्ता के बंगले पर सिक्योरिटी गार्ड था। आदित्य के परिवार में पत्नी रूबी और दो बच्चे हैं। शनिवार को बंगले की बेसमेंट स्थित पार्किंग में कारोबारी की गाड़ी से कुचलकर गार्ड की मौत हो गई। थाना प्रभारी नवाबगंज प्रमोद कुमार पांडेय ने बताया कि छानबीन में यहां सीसीटीवी कैमरा लगा मिला। फुटेज खंगालने पर सामने आया कि कारोबारी बच्चों को स्कूल छोड़ने के बाद घर लौटे तो उन्होंने अपनी एमजी हैक्टर कार को बेसमेंट स्थित स्लोप पर खड़ा कर दिया था। कुछ देर बाद ड्यूटी पर आदित्य पहुंचे।

बेसमेंट स्थित पार्किंग में बाइक खड़ी करने के लिए वह स्लोप पर खड़ी कार के बगल से बाइक नीचे ले जा रहे थे। इसी दौरान बाइक कार से टकरा गई। स्लोप होने के चलते गाड़ी में झटका लगने से हैंडब्रेक छूटा होगा। जैसे ही आदित्य बेसमेंट में पहुंचे। स्लोप पर खड़ी कार भी पीछे से आ गई। सामने दीवार होने से आदित्य बाइक समेत कार और दीवार के बीच फंसकर दब गए। जिससे उनकी मौत हो गई। थाना प्रभारी नवाबगंज ने बताया कि मामले की जांच कराई जा रही है।

### दोषियों पर हो कार्यवाही: पीड़ित परिवार

हालांकि, आदित्य के परिजन शव रखकर हंगामा कर रहे हैं और दोषियों पर कार्यवाही की मांग कर रहे हैं। जबकि दूसरी ओर पुलिस एक रईसजादे के चक्कर में सिक्योरिटी गार्ड के घरवालों की सुनने की फिराक में नहीं है। पुलिस मामले को दुर्घटना बताकर रफा-दफा करना चाह रही है। अभी तक पीड़ित परिवार की एफआईआर भी नहीं लिखी गई है। पीड़ित परिवार को पैसे का रौब दिखाकर दबाए जाने का प्रयास किया जा रहा है। उससे कहा जा रहा है कि चाहे जितने पैसे ले लो बस मामले को यहीं खत्म कर दो। पुलिस रईसज़ादे के बचाव में खड़ी है। ऐसे में अगर मामले में एफआईआर होगी भी तो ऐसी धाराओं में होगी कि आराम से जमाल मिल जाए। फिलहाल हम ये ही उम्मीद करते हैं कि मामले की ईमानदारी से जांच की जाए।

# बिहार में फिर जहरीली शराब का तांडव, अब तक 16 की मौत

» 12 की हालत गंभीर, परिजन बोले-खेत में थी शराब की पार्टी

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

पटना। बिहार में एक बार फिर जहरीली शराब का तांडव देखने को मिला। प्रदेश के मोतिहारी जिले में पिछले दो दिनों से जहरीली शराब लोगों को अपना शिकार बना रही है। शुक्रवार को हुई दो मौतों के बाद आज दोपहर तक 16 लोगों की जान जाने की जानकारी सामने आ चुकी है। हलांकि, इस मामले में कुछ लोग जहां इन मौतों का जिम्मेदार डायरिया या फूड प्वाइजनिंग को बता रहे हैं वहीं परिजन जहरीली शराब को जिम्मेदार मान रहे हैं।

सबसे अधिक तुरकौलिया से 11, हरसिद्धी से 3 और पहाड़पुर से 2 लोगों की मौत हुई है। मरने वालों के परिजनों का कहना है कि गुरुवार शाम गेहूं की फसल काटने के बाद खेत में शराब पार्टी हुई थी। रात में घर आकर सो गए। सुबह कई लोगों की तबीयत बिगड़ने लगी। अस्पताल में पहले पिता-पुत्र ने दम तोड़ा। इसके बाद प्रशासन ने गांव में मेडिकल टीम भेजी।

# खाई में गिरी बस, 12 लोगों की गई जान

» हादसों का शनिवार: मुंबई-पुणे राजमार्ग पर हुआ भीषण हादसा, 27 लोग हुए घायल

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

रायगढ़/श्रावस्ती। शनिवार की सुबह कई तरह के हादसों की खबरें लेकर आई। आज तड़के महाराष्ट्र के रायगढ़ जिले में पुराने मुंबई-पुणे राजमार्ग पर एक बस के खाई में गिर जाने से बस में सवार कम से कम 12 लोगों की मौत हो गई और 27 अन्य घायल हो गए।

पुलिस के एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि एक संगीत मंडली को लेकर पुणे से मुंबई जा रही निजी बस राजमार्ग पर शिंग्रोवा मंदिर के पास तड़के चार बजकर 50 मिनट पर खाई में गिर गई। यह हादसा खोपोली थाना क्षेत्र के अंतर्गत हुआ। अधिकारी ने कहा, बस में मुंबई स्थित

गोरेगांव के 'बाजी प्रभु वादक ग्रुप' के सदस्य सवार थे। रायगढ़ के पुलिस अधीक्षक (एसपी) सोमनाथ घार्गे ने बताया कि हादसे में हताहत हुए लोग मुंबई के सायन एवं गोरेगांव इलाके और पड़ोसी पालघर जिले के विरार के रहने वाले थे। उन्होंने बताया कि घायलों को खोपोली ग्रामीण अस्पताल में भर्ती कराया गया है।

### श्रावस्ती में पेड़ से टकराई अनियंत्रित कार, 6 की मौत

वहीं आज सुबह यूपी के श्रावस्ती में एक भीषण सड़क हादसा हो गया। जिसमें करीब 6-7 लोगों की मौत हो गई, जबकि 8-10 लोग घायल हो गए। जानकारी के मुताबिक शनिवार सुबह नेशनल हाईवे-730 पर एक इनोवा कार अनियंत्रित होकर पेड़ से टकरा गई। हादसे में एक ही परिवार के 6 लोगों की मौत हो गई है। हादसा इकौना थाना क्षेत्र के सोन नदी के पास सुबह करीब 4 से 5 बजे के पास हुआ है। एसपी प्राची सिंह ने बताया कि कार सवार लोग अंतिम संस्कार में शामिल होने के लिए लुधियाना से करमोहना आ रहे थे। तभी सोन नदी के पास कार असंतुलित होकर पेड़ से टकरा गई। वहां से गुजर रहे लोगों ने पुलिस को सूचना दी। घटनास्थल पर पहुंची पुलिस ने राहगीरों की मदद से लोगों को कार से निकाला और आनन-फानन में अस्पताल में भर्ती कराया, जहां डॉक्टरों ने 6 लोगों को मृत घोषित कर दिया। सभी घायलों का प्राथमिक उपचार पास के सीएचसी में हुआ। लेकिन बाद में उन्हें बलरामपुर रेफर कर दिया गया। सभी घायलों की हालत गंभीर बताई जा रही है। पुलिस का कहना है कि ड्राइवर को नींद आने के चलते हादसा हुआ है। हालांकि, हादसे का मेन वजह का अब तक पता नहीं चल पाया है। घायलों की स्थिति गंभीर है।

# पुलवामा हमला गृह मंत्रालय की बड़ी गलती का नतीजा

## सत्यपाल मलिक का दावा- 2019 के चुनाव में भाजपा ने उठाया हमले का फायदा

» गवर्नर बोले-पीएम मोदी को भ्रष्टाचार से नहीं है नफरत

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। बिहार, जम्मू-कश्मीर, गोवा और मेघालय के राज्यपाल रहे सत्यपाल मलिक ने देश की मोदी सरकार पर बड़ा हमला बोला है। साथ ही मलिक ने पुलवामा हमले को लेकर कुछ ऐसे दावे भी किए हैं, जिससे देश की राजनीति में भूचाल आ गया है। मोदी पर हमला बोलते हुए मलिक ने कहा कि फरवरी 2019 में पुलवामा में हुए आतंकी हमले में केंद्रीय गृह मंत्रालय की बहुत बड़ी गलती थी।

सतपाल मलिक के इस दावे के बाद अब देश की सियासत में भूचाल आ गया है। क्योंकि कांग्रेस समेत कई अन्य दलों ने इस दावे को लेकर देश की मोदी सरकार पर निशाना साधना शुरू कर दिया है। दरअसल, जिस समय में पुलवामा में यह आतंकी हमला हुआ था, सतपाल मलिक उस समय जम्मू-कश्मीर के ही राज्यपाल थे। इस हमले में सीआरपीएफ के 40 जवान शहीद हो गए थे। अब इस हमले पर खुलासा करते हुए पूर्व राज्यपाल ने आरोप लगाया है कि पुलवामा हमला खासकर सीआरपीएफ और गृह मंत्रालय की अक्षमता और लापरवाही का नतीजा था। मलिक ने दावा किया कि सीआरपीएफ ने अपने जवानों के लिए विमान मांगा था, लेकिन गृह मंत्रालय ने देने से इनकार कर दिया। उसके बाद सीआरपीएफ ने जिस-जिस सड़क से जवानों को भेजा, पहले वहां की अच्छे से पड़ताल नहीं की। इतना ही नहीं जम्मू-कश्मीर के तत्कालीन राज्यपाल सत्यपाल मलिक ने दावा किया कि पुलवामा हमले के तुरंत बाद प्रधानमंत्री मोदी ने उनसे फोन पर बात की थी और इस मामले पर किसी से ज्यादा नहीं बोलने की हिदायत दी थी। मलिक का आरोप है कि इसका मकसद चुनावों में सरकार और बीजेपी को फायदा पहुंचाने के लिए पुलवामा हमले का सारा ठीकरा पाकिस्तान पर फोड़ना था, मुझे बाद में यह अहसास हुआ। सतपाल मलिक ने मोदी पर भी निशाना साधते हुए कहा कि पीएम मोदी को भ्रष्टाचार से कोई खास नफरत नहीं है।

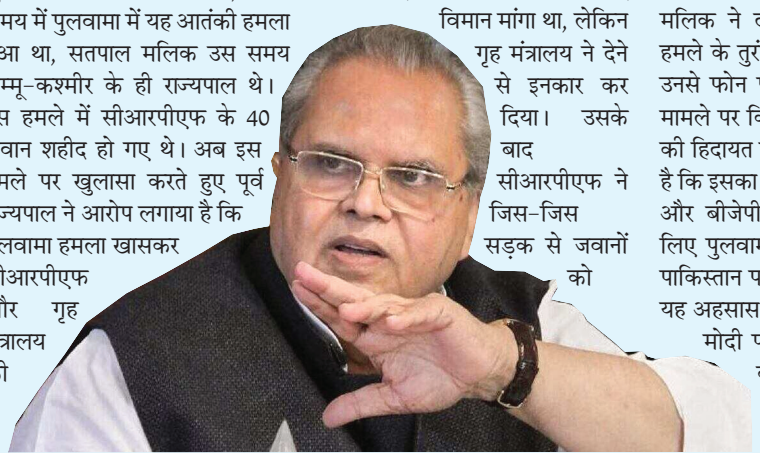

स्वामी, मुद्रक एवं प्रकाशक **बबिता चतुर्वेदी** के लिए **4पीएम** आस्था प्रिंटर्स, 5/600, विकास खण्ड, गोमती नगर, लखनऊ (यूपी) से मुद्रित एवं प्रकाशित। **प्रधान संपादक**- अर्चना दयाल, **संपादक** - संजय शर्मा, **विधि सलाहकार**: सत्यप्रकाश श्रीवास्तव, मोहम्मद हैदर, **वित्तीय सलाहकार**: संदीप बंसल, **कार्टूनिस्ट**: हसन जैदी, **दूरभाष**: 0522- 4078371 | **Email**: daily4pm@gmail.com | **website**: www.4pm.co.in | **RNI-UPHIN/2015/62233** डाक पंजी. सं- SSP/LW/NP-495/2018-2020
*इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं संपादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट के अंतर्गत उत्तरदायी। समस्त विवाद लखनऊ न्यायालय के अधीन ही होंगे।